केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 225 बुधवार 6 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

निर्वाचन के कार्य को गंभीरता से लें मास्टर ट्रेनर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आगामी लोकसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न करने के लिए तैनात किए गए जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं ईवीएम तथा सामान्य प्रशिक्षण के लिए तैनात मास्टर ट्रेनर निर्वाचन के कार्य को गंभीरता पूर्वक लें, ओवर कॉन्फिडेंस में ना रहें। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक बिंदु पर स्पष्ट आदेश निर्गत किए गए हैं। गंभीरता पूर्वक इसका अध्ययन करके फील्ड में अनुपालन कराएं। उक्त निर्देश मंडलायुक्त अखिलेश सिंह ने दिया हैं। वे कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की ट्रेनिंग को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जितना अधिक पढ़ेंगे उतना अधिक फील्ड में अपने दायित्वों का निर्वहन सफलतापूर्वक कर सकेंगे। निर्वाचन का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मास्टर ट्रेनर्स से उन्होंने कुछ सवाल भी किया तथा उनका जवाब भी दिया। उन्होंने कहा कि सभी मजिस्ट्रेट एवं ट्रेनर आपस में भी विचार–विमर्श करते रहें तथा किसी प्रकार की शंका होने पर प्रशिक्षण अधिकारी से जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने कहा कि निर्वाचन में पंचशून्य–शुचिता, समयबद्धता, निष्पक्षता, कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता के साथ कार्य सम्पादित करें। निर्वाचन कार्यों को गम्भीरता से लें तथा समय से पूरा करें। क्षेत्र में डियूटी के दौरान सभी के साथ समान व्यवहार करे तथा किसी का पक्षकार ना बनें।

जिला प्रशिक्षण अधिकारी डा. विजय प्रताप यादव ने मतदान प्रक्रिया के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दिया। उन्होने चैलेन्ज वोट, टेण्डर वोट, मतदाता सहायक, माकपोल एवं अन्य प्रक्रियाओं को विस्तार से बताया। उन्होने कहा कि प्रत्येक सेक्टर मजिस्ट्रेट को एक मतदेय स्थल पर स्वयं उपस्थित रहकर माकपोल कराना है। माकपोल में कम से कम 50 वोट डाले जायेंगे, जिसमें सभी प्रत्याशी तथा नोटा को मतदान किया जायेगा। प्रत्येक 2 घण्टे पर मतदान प्रतिशत की जानकारी कंट्रोल रूम एवं उच्चाधिकारी को देना है। जिला कृषि अधिकारी डा. राजगंगल चौधरी ने बताया कि सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट को उनके कार्यो से संबंधित आयोग के निर्देश तथा परिचय पत्र प्रदान किया गया है। मौखिक प्रशिक्षण के बाद सभी अधिकारियों ने बाहर रखें ईवीएम मशीन का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। इस अवसर पर एडीएम कमलेशचन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा तथा चारों तहसीलों में तैनात जोनल एंव सेक्टर मजिस्ट्रेट एंव मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहें।

कांग्रेस में शामिल हुये राजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस पार्टी की नीतियों और प्रतिबद्धताओं ने प्रभावित होकर वाल्टरगंज के महसिन निवासी राजन प्रजापति ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया। पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने उन्हे सदस्यता दिलाई। कहा राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से युवा प्रभावित है और 2024 के लोकसभा चुनाव में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ले रहे हैं। उन्होने कहा देशभर में दो राजनीतिक दल आपस में लड़ रहे हैं। एक संविधान बचाने के लिये संघर्ष कर रहा है तो दूसरा संविधान को खत्म करने के लिये। राजनप्रजापति ने कहा जो देश और संविधान को बचाना चाहता है वह कांग्रेस के साथ है। उनके पार्टी ज्वाइन करने पर वरिष्ठ कांग्रेसी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, मो. रफीक खां, अशोक श्रीवास्तव, शौकत अली नन्हू, अलीम अख्तर, देवानंद पाण्डेय, जितेन्द्र चौधरी एडवोकेट, सुनील पाण्डेय, कौशल त्रिपाठी, सुधीर यादव, विवेक श्रीवास्तव आदि ने बधाइशं व शुभकामनायें दिया है।

योगी मंत्रिमण्डल का विस्तार, ओम प्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान, अनिल कुमार, सुनील शर्मा मंत्री बने

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने मंगलवार को अपनी कैबिनेट का विस्तार कर लिया। इस विस्तार में चार विधायकों को शपथ दिलाई गई और मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया। सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर और बीजेपी के एमएलसी दारा सिंह चौहान का मंत्री बनना पहले से तय था। राजभर और दारा के अलावा रालोद के अनिल कुमार और बीजेपी के साहिबाबाद से विधायक सुनील शर्मा का नाम चौकाने वाला रहा। रालोद के मंत्रिमंडल में शामिल होने की चर्चा तो थी लेकिन अनिल की जगह दो अन्य विधायकों का नाम चल रहा था। सुनील शर्मा का नाम तो मंगलवार की सुबह तक चर्चा में नहीं था।

रालोद विधायक अनिल कुमार पिछले विधानसभा चुनाव से पहले तक सपा में थे। उन्हें रालोद के सिंबल पर चुनावी मैदान में उतारा गया था। सपा का होने के कारण ही राज्यसभा चुनाव से पहले उनके क्रास वोटिंग की चर्चा भी हो रही थी। रालोद के पुराने और कद्दावर नेताओं को छोड़कर अनिल को मंत्री बनाने के पीछे राज्यसभा चुनाव में भाजपा का साथ देने का इनाम माना जा रहा है। अनिल कुमार मूल रूप से सहारनपुर के गांव तहारपुर के रहने वाले हैं। वह शहर के अंकित विहार कॉलोनी में रहते हैं।

मुजफ्फरनगर जिले की अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित सीट पुरकाजी से अनिल कुमार रालोद के टिकट पर 2022 के विधानसभा चुनाव में विधायक बने थे। वह तब सपा में थे लेकिन रालोद के सिंबल पर चुनाव लड़ा था। इससे पहले 2017 के चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 2012 के चुनाव में पुरकाजी सीट से ही अनिल कुमार बसपा के टिकट पर विधायक बने थे। रालोद ने अनुसूचित जाति के मतदाताओं को साधने के लिए सुरक्षित सीट से विधायक अनिल कुमार का नाम मंत्री बनने के लिए आगे किया है।

योगी मंत्रिमंडल में शामिल चौथे विधायक सुनील शर्मा साहिबाबाद विधानसभा सीट से एमएलए हैं। सुनील शर्मा तीसरी बार विधायक बने हैं। सबसे पहले 15वीं विधानसभा में वह गाजियाबाद की सीट से चुनकर विधायक बने थे। उसके बाद 17वीं और 18वीं विधानसभा में वह साहिबाबाद की सीट से जीतकर विधायक बने हैं। सुनील शर्मा की गिनती बड़े ब्राह्मण नेताओं में होती है। उनको उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का करीबी माना जाता है।

2017 के विधानसभा चुनाव में शर्मा सबसे अधिक वोटो से जीते थे। इस दौरान उनका मार्जिन तकरीबन डेढ़ लाख वोटो का था। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी सुनील ने सबसे अधिक वोटों से चुनाव जीता था। इस दौरान वह करीब 2 लाख 14 हजार से अधिक मार्जिन से जीते थे।

नगर पंचायत नगर को स्वतन्त्र फीडर से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत नगर को स्वतन्त्र फीडर से जोड़ने की प्रक्रिया का मंगलवार को अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने शुभारम्भ किया। उन्होंने राज कोट तिराहे पर विधिवत पूजन अर्चन कर इसकी शुरुआत किया। श्रीमती राना ने कहा कि लगभग 72 लाख की लागत से बनने वाले अलग विद्युत फीडर द्वारा बिजली सप्लाई से नगर पंचायत को 20 घंटे आपूर्ति हो सकेगी। ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि महीनों पहले अपने सभासदों के साथ विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता से उनके कार्यालय में मिलकर नगर पंचायत की विद्युत सम्बंधी समस्याओं को वार्ड वार अवगत कराया गया था जिसके परिणाम स्वरूप आज कार्य शुरू हो रहा है। अधिशाषी अधिकारी सुश्री कीर्ति सिंह ने कहा कि नगर पंचायत के विकास में विद्युत विभाग की प्रभावी भूमिका है। शासन की मंशा के अनुरूप नगर पंचायत नगर उत्तरोत्तर विकास के पथ पर अग्रसर है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख भाजपा नेता राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि नगर को महानगर की तरह सुविधा सम्पन्न बनाना हम सभी का दायित्व है। नगर को देश का मॉडल नगर पंचायत बनाकर नागरिक सुविधाएं बढ़ाना विकसित भारत संकल्प की एक कड़ी है। श्रीमती राना ने अमर बलिदानी राजा उदय प्रताप नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस अवसर पर समासद संजय सोनकर, विजय जायसवाल, राजेश पाण्डेय, राज कुमार चौधरी,राम सजन यादव, नियाज अहमद, बिट्टूलाल, तुलसीराम, अखिलेश यादव, विजय सहनी, दिनेश चौरसिया, बिरेंद्र कुमार, यशराज के० के०,संदीप कुमार, सत्यराम निषाद, देवेश धर द्विवेदी, राकेश पाण्डेय, भाजपा नेता डा अनिल श्रीवास्तव, नागेंद्र सिंह, राकेश पाण्डेय, धर्म प्रकाश श्रीवास्तव, देवेश धर द्विवेदी, दिलीप शर्मा, शतीश मिश्रा,सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ससुर के हत्या मामले में बहू अनीता ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसरामपुर थाना क्षेत्र के रोहदा निवासिनी दलित अनीता देवी पत्नी गुलाब चन्द ने पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर अपने ससुर राजाराम के अपहरण और हत्या मामले में पुलिसकर्मी सुरेन्द्र कुमार वर्मा के विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज कर न्याय दिलाने की मांग किया है।

एसपी को दिये पत्र में अनीता देवी ने कहा है कि गत 27 फरवरी 2024 को गेहूं की रखवाली करते समय उनके ससुर का अपहरण कर हत्या कर दिया गया। जब वह परसुरामपुर थाने पर मुकदमा दर्ज कराने पहुंची तो थानाध्यक्ष ने उसे थाने से भगा दिया और मनमाने ढंग से दूसरे दिन मुकदमा दर्ज किया। परसरामपुर पुलिस सुरेन्द्र कुमार वर्मा पुलिसकर्मी को बचाने के लिये पूरा प्रयास कर रही है और उसके परिवार पर दबाव डाला जा रहा है कि सुरेन्द्र कुमार वर्मा पुलिसकर्मी का नाम हटा दिया जाय। उसने एसपी से मांग किया है कि नये सिरे से मामले की जांच कराकर सुरेन्द्र कुमार वर्मा पुलिसकर्मी के विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज कर उसे न्याय दिलाया जाय और इस प्रकरण में परसरापुर के दोषी पुलिस कर्मियों को भी दण्डित कराया जाय।

मण्डलायुक्त ने किया कलेक्ट्रेट, कोषागार के साथ अभिलेखों का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंडलायुक्त अखिलेश सिंह ने कलेक्ट्रेट के विभिन्न अनुभाग, न्यायालय तथा परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ–सफाई पर संतोष व्यक्त करते हुए न्यायालय के कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्व परिषद के अध्यक्ष महोदय द्वारा निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देश के अनुपालन का उन्होंने अनुश्रवण किया है। निरीक्षण में उन्होंने पाया कि उनके निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी, एडीएम कमलेश चंद्र तथा सीआरओ संजीव ओझा उपस्थित रहें।

मंडलायुक्त के कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने संयुक्त कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने न्याय सहायक, राजस्व पटल, आयुध पटल एवं प्रमाण पत्र जारी करने वाले पटल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होंने पाया कि राजस्व परिषद के अध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार रजिस्टर एवं पत्रावलियों का रख–रखाव किया जा रहा है। उन्होंने अपने कार्यालय में आज ही प्राप्त जनता दर्शन के दौरान आयुध लाइसेंस के वरासत का एक प्रकरण की पत्रावली का निरीक्षण किया। पत्रावली

पूर्ण पाई गई। उन्होंने निर्देश दिया कि पत्रावलियों के रख–रखाव में पारदर्शिता बरती जाए तथा आवेदक को भी समय–समय पर सूचित किया जाए।

संयुक्त कार्यालय में प्रमाण पत्र पटल का निरीक्षण करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि पुलिस रिपोर्ट मंगवाना भी हमारी जिम्मेदारी है, इसे समय से मंगवाया जाए। आयुध पटल पर उन्होंने पाया कि 33 वरासत के तथा 19 ट्रांसफर के केस लंबित हैं। मंडलायुक्त ने इनका समय से निस्तारण करने का निर्देश दिया। आरए पटल पर उन्होंने अनुभाग सहायक का जॉब चार्ट देखा। जिलाधिकारी ने बताया कि मानव संपदा पोर्टल पर सभी अधिकारियों–कर्मचारियों का डाटा अपलोड किया गया है। इनके द्वारा शासन के निर्देशानुसार संपत्ति का ब्योरा भी अपलोड किया जा रहा है।

मंडलायुक्त ने जिलाधिकारी न्यायालय, अपर जिलाधिकारी न्यायालय तथा मुख्य राजस्व अधिकारी न्यायालय का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी न्यायालय में उन्होंने सबसे पुराने वाद की पत्रावली का निरीक्षण किया। मुख्य राजस्व न्यायालय में उन्होंने चकबंदी से संबंधित पत्रावली का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिया कि मेरिट के आधार पर निर्णय करें। एडीएम कोर्ट में उन्होंने ऑर्डर सीट का निरीक्षण किया तथा वहां उपस्थित उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि पत्रावली में ऑर्डरशीट महत्वपूर्ण होती है, का अध्ययन सावधानी पूर्वक किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि न्यायालय द्वारा पत्रावली की मांग किए जाने पर तत्काल भिजवाना सुनिश्चित करें। इसके लिए बार–बार रिमाइंडर ना देना पड़े।

उन्होंने कोषागार का निरीक्षण किया। उन्होंने कोषागार में स्थित पुराने समय के कैश चेस्ट को भी देखा। डबल लॉक में उन्होंने रखे गए अभिलेखों की जानकारी लिया। उन्होंने अपर जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि सभी अभिलेखों का एक बार परीक्षण करके समय से संबंधित कार्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें। मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति ने बताया कि कोषागार का भवन पुराना था, जिसका कायाकल्प कराया गया है। मंडलायुक्त के पूछने पर उन्होंने बताया कि आगामी लोकसभा निर्वाचन में व्यय अनुवीक्षण के लिए उनकी ड्यूटी लगाई गई है। उनके साथ सहायक लेखाकार संबद्ध किए गए हैं। अलग–अलग उड़नदस्ता, वीडियोग्राफी तथा स्टैटिक टीम गठित की गई है।

निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर शत्रुहन पाठक, डिप्टी कलेक्टर मोहन प्रकाश, सत्येंद्र कुमार सिंह, रामकृष्ण चौधरी, प्रशासनिक अधिकारी गिरिजेश पाल, अशोक मिश्रा, श्रवण कुमार तिवारी, डीके सिंह, अनुभाग सहायक राजेश रंजन तथा विभिन्न अनुभाग के पटल सहायक गण उपस्थित रहे।

चुनावी बॉन्ड की जानकारी देने के लिये एसबीआई ने मांगा 30 जून तक का समय

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना को 'असंवैधानिक' करार देते हुए राजनीतिक पार्टियों को इलेक्टोरल बॉन्ड से मिलने वाले चंदे के बारे में जानकारी साझा करने का निर्देश दिया था. इसके लिए कोर्ट ने 6 मार्च 2024 तक का समय बैंक को दिया था. इसको लेकर अब एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है।

भारतीय स्टेट बैंक ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर चुनाव आयोग को चुनावी बॉन्ड के संबंध में जानकारी देने के लिए 30 जून 2024 तक समय बढ़ाने की मांग की है. अपनी याचिका में एसबीआई ने कहा कि इस कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश की तारीख 12 अप्रैल, 2019 से फैसले की तारीख 15.02.2024 तक दाता की जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया है. उस समयावधि में, बाईस हजार दो सौ सत्रह (22,217) चुनावी बॉन्ड का उपयोग विभिन्न राजनीतिक दलों को दान देने के लिए किया गया था।

एसबीआई ने आगे कहा कि भुनाए गए बॉन्ड प्रत्येक चरण के अंत में अधिकृत बांच द्वारा सीलबंद लिफाफे में मुंबई मुख्य ब्रांच में जमा किए गए थे. इस तथ्य के साथ कि दो अलग–अलग सूचना साइलो मौजूद हैं, इसका मतलब यह होगा कि कुल 44,434 सूचना सेटों को डिकोड, संकलित और तुलना करनी होगी. इसलिए यह सम्मानपूर्वक प्रस्तुत किया जाता है कि कोर्ट द्वारा अपने दिनांक 15.02.2024 के फैसले में तय की गई तीन सप्ताह की समय–सीमा पूरी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी. इसलिए, एसबीआई को फैसले का अनुपालन करने में सक्षम बनाने के लिए इस माननीय न्यायालय द्वारा समय का विस्तार दिया जा सकता है।

सांसद हरीश द्विवेदी ने किया 2 करोड 50 लाख की लागत से इंडोर स्टेडियम व 44 परियोजनाओं का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, बस्ती। नगर पंचायत गायघाट के गांधीनगर वार्ड में 2 करोड 50 लाख की लागत से इनडोर स्टेडियम व 44 परियोजनाओं का लोकार्पण मंगलवार को मुख्य अतिथि सांसद हरीश द्विवेदी ने बैदिक मंत्रोचार द्वारा फीता काट कर किया। लोगों को संबोधित करते हुए सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि जनपद में जितना विकास पिछले 65 वर्षों में नहीं हुआ उससे ज्यादा विकास 10 वर्षों में हुआ है। राम जनकी मार्ग के निर्माण सहित दर्जनों परियोजनाओं व विकास कार्यो को गिनाया। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अन्य सरकारे जाति व परिवारवाद के नाम पर विकास करती हैं। लेकिन भाजपा सरकार सर्व समाज की सरकार है बिना भेदभाव के सभी जातिवाद धर्म के लोगों को लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री का संकल्प है कि उन्हें परिवार के लिए नहीं देश के गरीब किसान, नौजवान और नारी शक्ति के लिए काम व विकास करना है। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बालकृष्ण त्रिपाठी पिंटू, ब्लाक प्रमुख कुदरहा अनिल दुबे, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव यादव देवा, नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील कुमार छोटू, ईओ रिचा सिंह, सत्येंद्र सिंह भोलू, दुर्गेश अग्रहरि, मनीष त्रिपाठी, जनार्दन तिवारी, वीरेंद्र राजभर, ओमकार चौधरी, रशीद अहमद, वजीर अहमद, कमलेश यादव, राजू सोनी, लवकुश चौधरी, मनोज यादव, जगदीश सोनकर, महेश सोनकर, विजय शंकर मिश्रा, पंकज शुक्ला, सचिन कनौजिया, प्रेम नारायण आजाद, नेवास अली, राम जी अमन गुप्ता, फूलचंद चौधरी,कन्हैया यादव, दीपक शर्मा, बजरंगी शर्मा सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

भाजपा महिला मोर्चा ने निकाली पद यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष डॉ रोली सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को नारी शक्ति वन्दन अभियान के तहत महिलाओ ने पदयात्रा निकाला। यह यात्रा कम्पनी बाग से गांधीनगर चौक तक गई, जहां भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र द्वारा समापन किया गया।

यात्रा के दौरान विकास पत्रक वितरित करते हुए भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का प्रचार प्रसार भी किया गया।भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि 10 फरवरी से लगातार यह अभियान चल रहा है बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल के बारासात में महारैली कर समापन करेंगे। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रोली सिंह ने कहा हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री हम महिलाओ को लेकर बेहद गम्भीर है। महिला सशक्तिकरण अभियान को लेकर सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर रामचरन चौधरी, महिला मोर्चा की जिला महामन्त्री शालिनी मिश्रा, शैल त्रिपाठी, लक्ष्मी अरोड़ा, मृदुल शुक्ला, नीलम गौड़, ममता सिंह, सुभावती देवी, काजल वर्मा, कौशल्या, रोशनी सिंह, निशा यादव, नेहा देवी, बबली श्रीवास्तव, ललिता कुमारी, नंदिनी यादव, रीना पाण्डेय, शालिनी कुमारी, मानसी देवी, शैलजा कुमारी व कंचन देवी सहित महिला मोर्चा की पदाधिकारी मौजूद रही।

क्वांटम ग्रुप के प्रोपराइटर पर छापा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शहर के बभनगांवां में एक बड़े व्यापारी क्वांटम ग्रुप के प्रोपराइटर के आवास पर मंगलवार की सुबह गोरखपुर व लखनऊ की आयकर विभाग की टीम ने कार्रवाई की है। सुबह ही टीम छापा मारने पहुंच गई थी, लेकिन आवास पर ताला लगा था। घंटों टीम ने इंतजार किया, लेकिन ताला नहीं खुल सका। हालांकि, कार्रवाई को लेकर आयकर विभाग की टीम ने कुछ साफ नहीं बताया। जानकारी दी कि लखनऊ आयकर विभाग के निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है। इसे लेकर कयासबाजी का माहौल है।

विश्व हिन्दू महासंघ की मासिक बैठक में बनी लोकसभा चुनाव की रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को विश्व हिन्दू महासंघ की मासिक बैठक अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वरनाथ शिव मंदिर पर जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में हिन्दू हितों की रक्षा के साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में महासंघ की भूमिका और रणनीति पर विचार किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने हिन्दू अस्मिता की रक्षा और सनातन परम्परा को मजबूती देने के लिये सर्वाधिक कार्य किया है। काशी में कारीडोर और श्री अयोध्याधाम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा कर 500 वर्ष पुरानी प्रतीक्षा को पूर्णता दिया। कहा कि बस्ती लोकसभा 61 में घोषित प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के समर्थन में महासंघ पदाधिकारी पूरी ताकत झोंक देगा।

मासिक बैठक को प्रदेश मंत्री अजय मिश्र, जिला प्रभारी विन्द गोपाल त्रिपाठी, सह संयोजक परमानन्द गुप्ता ने सम्बोधित करते

–भाजपा ने सनातन संस्कृति को मजबूती दिया–अखिलेश सिंह

हुये कहा कि महासंघ का उद्देश्य स्पष्ट है कि जो हिन्दू हितों की बात करेगा, वही देश पर राज करेगा। इस संकल्प के साथ महासंघ लोकसभा के चुनाव में भाजपा की जीत के लिये पूरी ताकत झोंक देगा। बैठक में मुख्य रूप से महन्थ गिरजेश दास, अमरजीत सिंह, राकेश सिंह, सौरभ तिवारी, बाबा जय प्रकाश दास, मुन्ना सिंह, चन्द्रेश पाठक, राजकुमार 'मन्टू' चौधरी, विपिन सिंह, प्रदीप सोनी, राहुल कमलापुरी, महेश हिन्दुस्थानी, चन्द्रकान्त पाण्डेय, सतीश पाण्डेय, जगत मोहन सिंह विक्कू, सचिन त्रिपाठी, अनिल सिंह, अंकित सिंह, त्रियुगीनाथ, वरुण तिवारी, विजय सोनी, रूप नरायन गौड़, अमरदीप, वेद प्रकाश सिंह, विजयपाल सिंह, राहुल, संदीप कुमार, रविशंकर पाण्डेय, प्रमोद कुमार सिंह, डा. रामजी, वीनस कुमार जायसवाल, चन्द्रमोहन भट्ट, शुभम सिंह, राम सिंह के साथ ही अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती

बस्ती 6 मार्च 2024 बुधवार

सम्पादकीय

लोकतंत्र के लिये उचित निर्णय

देश की शीर्ष अदालत ने एक बार फिर साबित किया कि वह सही मायनों में देश में स्वच्छ और पारदर्शी लोकतंत्र की रखवाली करने वाली संस्था है। जब शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि उसके पहले दिए गए फैसले की विसंगति से लोकतंत्र को हानि हो सकती है तो पहले दिये फैसले को भी पलट दिया। जनतंत्र की परिभाषा को अमली–जामा पहनाते हुए शीर्ष अदालत ने तय कर दिया कि आम आदमी की तरह ही सांसदों व विधायकों को रिश्वत के मामले में छूट के लिये कोई विशेषाधिकार काम नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट की सात जजों वाली बेंच ने एक मामले में निर्णय सुनाया कि देश की संसद अथवा विधानमंडल में भाषण या वोट के लिये रिश्वत लेने के मामले में सांसदों और विधायकों को विशेषाधिकार के अंतर्गत इम्यूनिटी नहीं दी जा सकती। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि यदि किसी प्रकरण में कोई सांसद अथवा विधायक घूस लेकर किसी मामले में वोट या सदन में लक्षित भाषण देते हैं तो उन पर अदालत में आपराधिक मामला चलाया जा सकता है। कोर्ट ने माना कि संविधान के तहत मिला विशेषाधिकार सदन को सामूहिक रूप से सुरक्षा प्रदान करता है। ताकि जनप्रतिनिधि जनहित में बेखौफ होकर अपनी बात कह सकें और निर्णय ले सकें। इस बाबत अदालत ने माना कि रिश्वत व भ्रष्टाचार लोकतंत्र को घुन की तरह खोखला कर देते हैं। दरअसल, ऐसे मामलों में वर्ष 1998 में आए एक फैसले को जनप्रतिनिधि ढाल बनाते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि तब पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव सरकार बचाने के मामले में सांसदों की खरीद–फरोख्त के आरोप लगे थे। मामला शीर्ष अदालत पहुंचा था। तब अदालत ने जो फैसला दिया था वह ऐसे प्रकरणों को लेकर फैसले में विसंगति पैदा करने वाला था। उस समय पांच जजों की पीठ ने तीन–दो के बहुमत से रिश्वत लेकर वोट देने वाले सांसदों व विधायकों को विशेषाधिकारी के तहत सुरक्षित बताया था।

उल्लेखनीय है कि तब पीवी नरसिम्हा राव वर्सेस भारत गणराज्य मामले में शीर्ष अदालत की बेंच ने माना था कि संसद व विधानमंडल में रिश्वत लेकर वोट देने व भाषण देने के मामले में जनप्रतिनिधियों पर आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। दूसरे शब्दों में कहें तो सदन में किए गए किसी कार्य के लिये वे कठघरे में खड़े नहीं करे जा सकते। निश्चित रूप से इससे लोकतंत्रत की शुचिता व पारदर्शिता के लिए विसंगति उत्पन्न हुई थी। सोमवार को दिए फैसले के बाबत मुख्य न्यायाधीश का मानना था कि हम नरसिम्हा राव फैसले से सहमत नहीं है। साथ ही उस फैसले को निरस्त करते हैं जिसमें घूस लेने के मामले में जनप्रतिनिधि बचाव के लिये अपने विशेषाधिकार को कवच बनाएं। पहले का फैसला संविधान के कुछ अनुच्छेदों का अवहेलना भी करता है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत का यह फैसला दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में साफ–सुथरी राजनीति की दिशा भी तय करेगा। दरअसल, यह मामला तब अदालत के संज्ञान में आया जब झारखंड मुक्ति मोर्चा की एक विधायक सीता सोरेन के रिश्वत लेकर वोट देने के मामले में सुनवाई हो रही थी। उन पर साल 2012 में राज्यसभा के चुनाव में रिश्वत लेकर एक निर्दलीय प्रत्याशी को वोट देने के आरोप लगे थे। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के 1998 के फैसले की दुहाई देकर राहत पाने की कोशिश की गई थी। दरअसल, विगत में भी एक बेंच ने इस फैसले को कम अंतर से सामने आने की वजह से इस मामले को बड़ी बेंच को देने की बात कही गई थी। यही वजह कि सोमवार को मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय बेंच ने इस महत्वपूर्ण मामले में फैसला दिया। निश्चित रूप से उन्हें चुनने वाले मतदाताओं से छल करके जनप्रतिनिधि निरंकुश व्यवहार नहीं कर सकते। यह लोकतंत्र की शुचिता की भी अपरिहार्य शर्त है। इससे पहले पिछले माह सुप्रीम कोर्ट ने लोकतांत्रिक शुचिता व पारदर्शिता के लिये इलेक्टोरल बॉन्ड की वैधता को असंवैधानिक बताकर लोकतंत्र में धनबल के हस्तक्षेप पर अंकुश लगाने की सार्थक पहल की थी।

चुनाव से पहले बसपा में भगदड़ के निहितार्थ

—अजय कुमार—

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने अपनी कुछ राजनैतिक जिम्मेदारियां अपने भतीजे और बसपा के राष्ट्रीय को–ऑडिनेटर आकाश आनंद को सौंप कर क्या संदेश दिया है, कोई नहीं जानता। मायावती ने अपने आप को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड तक समेट कर बाकी राज्यों की जिम्मेदारी आनंद को दे दी है। मायावती के इस फैसले पर नेतागण अपने हिसाब से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ को लगता है कि मायावती ने काफी सोच समझकर बसपा में अपने आप को सीमित किया है। संभवतः वह नहीं चाहती होंगी कि देश जीतने के चक्कर में कहीं उनका मजबूत किला यूपी और उत्तराखंड हाथ से नहीं निकल जाये। जहां उनके लिये हमेशा संभावनाएं बनी रहती हैं। कहा यह जा रहा है कि बहनजी चुनाव की तारीख घोषित होते ही यूपी में अपनी जनसभाएं शुरू कर देंगी। पहले वह मंडलवार सभाएं करेंगी। बीएसपी के लिये मजबूत समझी जाने वाली सीटों पर विशेष तौर पर फोकस रहेगा। मजबूत समझी जाने वाली सीटों के लिये वह जनसभाएं भी ज्यादा करेंगी।

चुनाव की बेला में मायावती ने जो कदम उठाया है उससे बसपा को कितना नफा–नुकसान होगा यह तो समय ही बतायेगा, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि बसपा सुप्रीमो ने जो भी फैसला लिया है, वह काफी सोच समझकर लिया होगा। मायावती एक परिपक्व नेत्री हैं। उन्होंने बसपा को इस बुलंदी तक पहुंचाने में पूरा योगदान दिया था। दलित चिंतक स्वर्गीय कांशीराम की राजनैतिक विरासत को आगे बढ़ाने वाली मायावती की पहचान एक बड़ी नेत्री के रूप में होती है। मायावती पर दलित पूरा विश्वास करते हैं। दलित वोटरों ने कभी भी बहनजी का साथ नहीं छोड़ा जबकि मायावती अपनी सियासी जरूरतों को पूरा करने के लिए अक्सर गैर दलित वोटरों को भी बसपा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देती रहीं। बसपा की सियासी प्रयोगशाला से मायावती ने कभी दलित–मुस्लिमों को एक छतरी के नीचे खड़ा किया तो कभी सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की राजनीति को अमली जामा पहनाया। मायावती ने दलित नेताओं की बड़ी लीडरशिप तैयार की तो कई क्षत्रिय, ब्राह्मण, पिछड़ों और मुस्लिम चेहरों को भी राजनीति में उभरने का पूरा मौका दिया, लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी रहा कि बसपा सुप्रीमो ने भले ही नये नेताओं की 'फौज' तैयार की थी, लेकिन यह नेता मायावती के साथ लम्बे समय तक रह नहीं पाये। इसमें से ज्यादातर को बहनजी ने स्वयं पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया था तो कुछ ने मौके की नजाकत को भांप कर स्वयं पार्टी छोड़ने में देरी नहीं की। वैसे यह यह बताना भी गलत नहीं होगा कि मान्यवर कांशीराम ने सिर्फ मायावती को ही आगे नहीं बढ़ाया था। अलग–अलग समाज के लोगों को चुनकर उन्हें नेता बनाया था। ओमप्रकाश राजभर, सोनेलाल पटेल, आरके चौधरी और मसूद अहमद ऐसे ही नेताओं में शामिल रहे हैं लेकिन सभी बिछड़ते गए। राजभर ने 2002 में, दिवंगत सोनेलाल पटेल ने 1995 में और आरके चौधरी ने 2016 में बसपा छोड़ दी थी। आरके चौधरी तो राजनीति में कोई जगह हासिल नहीं कर पाए लेकिन ओमप्रकाश राजभर और सोने लाल पटेल की पार्टी आज भी अच्छी खासी राजनीतिक ताकत रखती हैं।

बसपा को जमीन से उठाकर आसमान तक ले जाने वाली मायावती की राजनीति पिछले दस वर्षों से काफी उतार पर नजर आ रही है। 2007 के विधानसभा चुनाव में वह अंतिम बार बड़े अंतर से सपा से जीती थीं। आज की तारीख में बसपा सुप्रीमो मायावती पार्टी के कई दिग्गजों को बाहर का रास्ता दिखा चुकी हैं। इनमें कई ऐसे भी नाम हैं, जिन्हें एक समय मायावती का सबसे करीबी नेता माना जाता था। इनमें लालजी वर्मा न सिर्फ विधानमंडल दल के नेता थे बल्कि वर्मा वह नेता हैं, जिनके प्रदेश अध्यक्ष रहते 2007 में बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार यूपी में बनी थी। राम अचल राजभर भी मायावती के खासम खास माने जाते रहे हैं। 13 सालों में बसपा 206 विधायकों से महज एक विधायक पर आ टिकी है। बसपा के जिन नेताओं को प्रदेश स्तर पर पहचान हासिल हुई थी वह एक–एक करके बसपा से अलग हो गए हैं। 2007 में जब प्रदेश में बसपा की बहुमत की सरकार बनी थी तब मायावती ने जितने विधायकों को कैबिनेट मंत्री बनाया था, उनमें से आज एक्का–दुक्का ही बसपा के साथ खड़े हैं। 2007 में 206 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली मायावती ने नकुल दुबे, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, लालजी वर्मा, रामवीर उपाध्याय, ठाकुर जयवीर सिंह, सुधीर गोयल, स्वामी प्रसाद मौर्य, वेदराम भाटी, चौधरी लक्ष्मी नारायण, राकेश धर त्रिपाठी, बाबू सिंह कुशवाहा, फागू चौहान, दद्दू प्रसाद, राम प्रसाद चौधरी, धर्म सिंह सैनी, राम अचल राजभर, सुखदेव राजभर और इंद्रजीत सरोज को बड़े पोर्टफोलियो दिए थे, लेकिन आज इसमें से कोई भी बसपा में नहीं है। सबने अपनी अलग राह पकड़ ली है।

2012 में समाजवादी पार्टी चुनाव जीती और मुलायम ने अपने बेटे अखिलेश को सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया। उसके पश्चात 2017 में बीजेपी की सरकार बनी और योगी आदित्यनाथ सीएम की कुर्सी पर विराजमान हुए। 2022 में भी उनको जीत हासिल हुई और एक बार फिर वह सीएम बने। लेकिन मायावती का कहीं से कोई भला नहीं हुआ। 2007 में चुनाव जीतकर सरकार बनाने के बाद से उनकी सत्ता में वापसी भी नहीं हुई है जबकि अपनी ताकत बढ़ाने के लिये मायावती ने 2019 में अपनी धुर विरोधी समाजवादी पार्टी तक से हाथ मिला लिया। परिणाम स्वरूप उनके दस सांसद चुनाव जीते थे, लेकिन अब यह सांसद भी बसपा से दूरी बनाने लगे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले बसपा नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने समाजवादी पार्टी ज्वाइन कर ली है। उन्होंने कहा, "पार्टी बदलना मेरे लिए समय की जरूरत थी। मैं समाजवादी पार्टी का हिस्सा बन गया हूं और अब यह मेरा कर्तव्य है कि पार्टी को मजबूत करूँ और अखिलेश यादव का समर्थन करूँ। मुझे यकीन है कि आगामी लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन अच्छा प्रदर्शन करेगा। हम सेक्युलर लोगों के साथ रहना चाहते हैं।श्श गुड्डू जमाली आजमगढ़ की मुबारकपुर सीट से साल 2012 और 2017 में बीएसपी के विधायक रह चुके हैं। ऐसा माना जाता है कि इस क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ है। उन्होंने 2014 और 2022 का लोकसभा उपचुनाव क्रमशः सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और धर्मेंद्र यादव के खिलाफ बसपा के टिकट पर लड़ा था। इसके अलावा अन्य सांसद रितेश पांडेय ने गत दिनों पार्टी से इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल होने की घोषणा की तो इसको लेकर चर्चा भी छिड़ गई। बड़ी बात यह है कि वह अकेले नहीं हैं। पार्टी के कई सांसदों के बारे में ऐसी खबरें आ रही हैं कि उनकी निष्ठा बदल चुकी है। हालांकि जब तक औपचारिक घोषणा न हो जाए तब तक ऐसी अटकलों को ज्यादा अहमियत नहीं दी जाती। मगर बीएसपी चीफ मायावती ने खुद यह कहकर इन खबरों को कुछ हद तक प्रामाणिकता दे दी है कि अपना हित साधने में लगे ऐसे सांसदों को पार्टी टिकट दे भी तो क्यों?

2019 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन में रहकर बीएसपी ने यूपी की 10 सीटें जीती थी। उनमें से 6 सांसद या तो बसपा छोड़ चुके हैं या स्पष्ट संकेत दे चुके हैं कि वह नया विकल्प तलाशेंगे। बीएसपी के दो और सांसदों के जल्द पाला बदलने की अटकलें हैं। इनमें से एक पश्चिमी यूपी के सांसद हैं, जो अब अपना भविष्य जयंत चौधरी के राष्ट्रीय लोक दल में देख रहे हैं। आरएलडी हाल ही में भाजपा के साथ आ चुका है। यूपी की लालगंज सीट से बसपा सांसद संगीता आजाद के भी भाजपा में शामिल होने की चर्चा है। उन्हें उनके पति के साथ बजट सत्र के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दफ्तर के बाहर देखे जाने से इन कयासों को और हवा मिली है। अफजाल अंसारी को सपा ने उम्मीदवार घोषित किया है। समाजवादी पार्टी ने गाजीपुर के बीएसपी सांसद अफजाल अंसारी को उसी सीट से अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनाने की घोषणा की है। पिछली बार अंसारी ने जम्मू और कश्मीर के मौजूदा लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा को हराया था।

उधर, बसपा से निकाले जाने के बाद सांसद दानिश अली की कांग्रेस से दोस्ती बढ़ गई है। अमरोहा से सांसद दानिश को मायावती ने टीएमसी की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के रिश्वत के बदले प्रश्न पूछने के मामले में उनका समर्थन करने के लिए निलंबित कर दिया था। दानिश का लगभग साफ है कि उनके लिए कांग्रेस पार्टी का दरवाजा खुला है। वह राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भी शामिल हो चुके हैं। लेकिन अमरोहा में दानिश को टिकट देने को लेकर कलह भी शुरू हो गई है। जौनपुर के बसपा सांसद श्याम सिंह यादव ने भी कांग्रेस की यात्रा में शिरकत करके अपना इरादा साफ कर दिया है। वह मुलायम सिंह यादव के जन्मदिवस से जुड़े कार्यक्रमों में भी भाग ले चुके हैं।

बसपा के लगातार कमजोर होने की वजह है हाल के चुनावों में बीससपी का लचर प्रदर्शन, जिसने पार्टी के भविष्य से जुड़ी चिंताओं को मजबूती दी है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में दस सीटें जीतने वाली बसपा को 2014 लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं मिली थी। 2019 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन में उसने 10 सीटें जीतीं, लेकिन नतीजे आने के ठीक बाद पार्टी ने गठबंधन तोड़ने की घोषणा कर दी। 2022 विधानसभा चुनाव में पार्टी अकेले लड़ी और सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल कर पाई। उसका वोट शेयर भी गिरकर 12 फीसदी पर आ गया, जबकि 2014 में एक भी सीट हासिल नहीं करने के बावजूद उसे 19.77 फीसदी वोट मिले थे, परंतु अब मायावती लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की बात कह रही हैं। गिरते जनाधार के बीच माया ने लोकसभा चुनाव के लिये एकला चलो की जैसे ही घोषणा की, बसपा समर्थकों में बेचौनी बढ़ गई। गौर करने की बात है कि बीएसपी हमेशा किसी न किसी गठबंधन के जरिए ही सत्ता तक पहुंची है। एकमात्र अपवाद 2007 के विधानसभा चुनाव रहे जिसमें पार्टी ने बहुजन हिताय की जगह सर्वजन हिताय को चुनावी मंत्र बनाया था। अपने मुख्य समर्थक वर्ग के साथ ही किसी और तबके को साथ लेकर ही वह चुनावी जीत को साध पाती हैं। ऐसे में मौजूदा पॉलिसी पार्टी के बाहर ही नहीं, अंदर भी कई तरह के सवाल और संदेह पैदा कर रही है।

बीएसपी प्रमुख मायावती ने एकला चलो की राह पकड़ी है, यह चिंता की बात नहीं है, लेकिन उनके समर्थकों में चिंता इस बात की है कि बहनजी अब जनसभा करने से कतराने लगी हैं, जबकि यही उनकी ताकत हुआ करती थी। लखनऊ के रमाबाई मैदान को जनसमूह से भरने की ताकत मायावती के अलावा कभी कोई नहीं दिखा पाया। अब मायावती सार्वजनिक रूप से भी काफी कम दिखती हैं। उन्होंने अपनी कई जिम्मेदारियां भी अपने भतीजे आकाश आनंद को सौंप दी हैं। भले ही मायावती ने औपचारिक तौर पर ऐसी घोषणा भले न की हो, परंतु उन्होंने पार्टी में यह साफ कर दिया है कि उनके भतीजे आकाश आनंद ही उनके उत्तराधिकारी होंगे। बहुजन समाज के हितों को समर्पित मानी जाने वाली इस पार्टी के समर्थकों के लिए यह परिवारवादी रुझान एक नई चीज है और कहा जा रहा है कि उनके लिए इसे बचाना आसान नहीं होगा।

खैर, किसी नेता या राजनीतिक दल की भूमिका या उसके सफर का भविष्य एकाध फैसलों या कुछ चुनाव परिणामों से नहीं तय किया जा सकता है। आज भी बीएसपी कुछ राज्यों में दलित समूहों के बीच सबसे प्रभावी उपस्थिति रखती है। यही नहीं, अपने लंबे राजनीतिक कॅरियर में मायावती अपने समर्थकों को ही नहीं, विरोधियों को भी चौंकाती रही हैं, लेकिन इस बार वह ऐसा कुछ कर पाती हैं या नहीं, इसका जवाब पाने के लिए लोकसभा चुनाव के नतीजों का इंतजार करना होगा। इस बीच बहुजन समाज पार्टी ने बिहार के बक्सर लोकसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। उन्होंने अनिल कुमार को अपना उम्मीदवार बनाया है। बसपा के राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी बिहार की 40 सीटों पर पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने जा रही है और इस बार बिहार में बीएसपी भी अपना ताकत दिखाएगी।

महाशिवरात्रि का सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक महत्व

—डॉ. सौरभ मालवीय—

पर्व एवं त्योहार भारतीय संस्कृति की पहचान हैं। ये केवल हर्ष एवं उल्लास का माध्यम नहीं हैं, अपितु यह भारतीय संस्कृति के संवाहक भी हैं। इनके माध्यम से ही हमें अपनी गौरवशाली प्राचीन संस्कृति के संबंध में जानकारी प्राप्त होती है। महाशिवरात्रि भी संस्कृति के संवाहक का ऐसा ही एक बड़ा त्योहार है।

शिवरात्रि प्रत्येक मास की अमावस्या से एक दिन पूर्व अर्थात कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है, जबकि महाशिवरात्रि वर्ष में एक बार आती है। यह फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है। शिव पुराण की ईशान संहिता में कहा गया है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि में भगवान शिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले लिंग रूप में प्रकट हुए थे–

फाल्गुनकृष्णचतुर्दश्यामादिदेवो महानिशि। शिवलिंगतयोद्भूतरू कोटिसूर्यसमप्रभः

माना जाता है कि इसी दिन प्रलय आएगा, जब प्रदोष के समय भगवान शिव तांडव करते हुए ब्रह्मांड को तृतीय नेत्र की ज्वाला से नष्ट कर देंगे। इसीलिए शिवरात्रि को कालरात्रि भी कहा जाता है।

सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्त्व

महाशिवरात्रि धार्मिक एवं सांस्कृतिक रूप से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। महाशिवरात्रि के सन्दर्भ में अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार अग्निलिंग के उदय के साथ इसी दिन सृष्टि प्रारंभ हुई थी। एक पौराणिक कथा के अनुसार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी पर भगवान शिव सर्वप्रथम शिवलिंग के स्वरूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिवस को भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के प्रकाट्य पर्व को प्रत्येक वर्ष महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है।

एक अन्य कथा के अनुसार इस दिन भगवान शिव का देवी पार्वती के साथ विवाह सम्पन्न हुआ था। यह उनके विवाह की रात्रि है। उन्होंने वैराग्य त्याग कर गृहस्थ जीवन अपना लिया था। एक पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन भगवान शिव ने समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट नामक विष को अपने कंठ में रख लिया था। इससे उनका कंठ नीला हो गया था। इसीलिए उन्हें नीलकंठ नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि इस घातक विष के कारण भगवान शिव को ताप चढ़ गया था। इसे उतारने के लिए उनके मस्तक पर बेल पत्र रखा गया, क्योंकि बेल पत्र शीतल गुण वाला होता है। इससे उन्हें संतुष्टि प्राप्त हुई। तभी से शिवलिंग पर बेल पत्र चढ़ाने की परंपरा आरंभ हुई। एक कथा के अनुसार इस रात्रि भगवान शिव ने संरक्षण एवं विनाश के नृत्य का सृजन किया था। इसलिए भी यह रात्रि विशेष है।

महाशिवरात्रि का वैज्ञानिक महत्त्व

महाशिवरात्रि का वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्व है। माना जाता है कि इस रात्रि ग्रह का उत्तरी गोलार्द्ध इस प्रकार अवस्थित होता है कि मानव की आंतरिक ऊर्जा प्राकृतिक रूप से ऊपर की ओर जाती है। मान्यता है कि यह ऊर्जा मनुष्य को आध्यात्मिक शिखर तक ले जाने में सहायक सिद्ध होती है। इसलिए इस रात्रि में भगवान शिव की पूजा– अर्चना करने का अत्यंत महत्त्व है। पूजा के समय भक्त सीधा बैठता है तथा उसकी रीढ़ की हड्डी सीधी होती है। इसके कारण उसकी ऊर्जा उसके मस्तिष्क की ओर जाती है। इससे उसे शारीरिक ही नहीं, अपितु मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति भी प्राप्त होती है। भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र ध नमः शिवाय है। यह मंत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस मंत्र का संबंध पंच महाभूतों भूमि, गगन, वायु अग्नि एवं नीर से माना जाता है। इस मंत्र का निरंतर जाप करने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। इससे मनुष्य का आत्मबल बढ़ता है।

धर्म ग्रंथों के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा– अर्चना करने से वे प्रसन्न होकर अपने भक्तों को मनचाहा वरदान देते हैं। शिवरात्रि का महोत्सव एक दिवस पूर्व ही प्रारंभ हो जाता है। भगवान शिव के मंदिरों में रात्रि भर पूजा–अर्चना की जाती है। भक्त रात्रिभर जागरण करते हैं एवं सूर्योदय के समय पवित्र स्थलों पर स्नान करते हैं। नदी तटों विशेष कर गंगा के तटों पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ती है। स्नान के पश्चात भगवान शिव के मंदिरों में पूजा–अर्चना की जाती है। भक्त शिवलिंग की परिक्रमा करते हैं। तत्पश्चात भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। शिवलिंग का जलाभिषेक अथवा दुग्धाभिषेक भी किया जाता है। शिवलिंग पर जल से जो अभिषेक जाता है, उसे जलाभिषेक कहा जाता है। इसी प्रकार शिवलिंग पर दुग्ध से जो अभिषेक किया जाता है, उसे दुग्धाभिषेक कहा जाता है। मधु से भी शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। इसके अतिरिक्त शिवलिंग पर सिंदूर लगाया जाता है एवं सुगंधित धूप जलाई जाती है। दीपक भी जलाया जाता है। उस पर फल, अन्न एवं धन चढ़ाया जाता है। उस पर बेल पत्र एवं पान के पत्ते चढ़ाए जाते हैं। इनके अतिरिक्त वे वस्तुएं भी भगवान शिव को चढ़ाई जाती हैं, जो उन्हें प्रिय हैं। इनमें धतूरा एवं धतूरे के पुष्प सम्मिलित हैं। मुक्तिदायिनी गंगा के जल का भी विशेष महत्व है, क्योंकि गंगा देवलोक से सीधी भगवान शिव की जटा पर ही उतरी थी। इसके पश्चात ही वह पृथ्वी लोक में उतरी एवं प्रवाहित हुई। इसलिए सभी नदियों में गंगा का स्थान सर्वोपरि माना जाता है। भक्तजन महाशिवरात्रि के दिन उपवास भी रखते हैं। कुछ लोग निर्जल रहकर भी उपवास करते हैं। उपवास से तन एवं मन दोनों ही शुद्ध होते हैं। शुद्ध मन में ही तो भगवान वास करते हैं। कई स्थानों पर भगवान शिव की बारात भी निकाली जाती है। इसमें कलाकार शिव एवं पार्वती का रूप धारण करते हैं। बारात में सम्मलित लोग शरीर पर भस्म लगाए हुए होते हैं। वे नाचते गाते हुए शिव एवं पार्वती के रथ के पीछे चल रहे होते हैं। भक्तजन इसमें भाग लेते हैं।

गेहूं के उत्पादन में ठहराव

—डा. वीरेन्द्र सिंह लाठर—

पिछले 6 वर्षों में सरकार द्वारा रिकार्डतोड़ गेहूं उत्पादन के दावों के विपरीत, गेहूं के उत्पादन और उत्पादकता में ठहराव देश की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले 50 वर्षों से, हरित क्रांति दौर की तकनीकों को अपनाने से मुख्य अनाज फसलों गेहूं–धान की पैदावार में लगातार विकास ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को स्थायित्व प्रदान किया है।

भारत में गेहूं की खेती परम्परागत तौर पर उत्तरी प्रदेशों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश आदि के मैदानी क्षेत्रों में भरपूर मात्रा में होती है। लेकिन पिछले 3 दशकों में सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि होने से देश के मध्य क्षेत्र के प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात आदि भी गेहूं उत्पादक राज्य बन गये हैं। वर्ष 2022–23 के दौरान, भारत में 110 मिलियन टन गेहूं उत्पादन हुआ और वैश्विक बाजार में 11,826.90 करोड़ रुपये की कीमत का कम गेहूं निर्यात किया गया।

दुनियाभर में, भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत में 2000 के बाद से, गेहूं उत्पादन करने वाले क्षेत्र में 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि गेहूं उत्पादन में 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। प्रकृति में, गेहूं की फसल को अच्छी पैदावार के लिए ज्यादा अवधि के सर्दकालीन ठंडे मौसम की जरूरत होती है, इसलिए गेहूं फसल की खेती को दक्षिण व तटीय प्रदेशों में बढ़ाना तकनीकी तौर पर सम्भव नहीं है।

केन्द्र सरकार के सार्वजनिक सूचना ब्यूरो द्वारा 14 मार्च, 2023 को जारी जानकारी के अनुसार वर्ष 2022–23 में गेहूं लगभग 31.86 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर उगाया गया और वर्ष 2014 से 2023 के दौरान देश में गेहूं खेती के क्षेत्रफल में मामूली वृद्धि दर्ज हुई, जो मुख्यतरू मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान आदि मध्य क्षेत्र के प्रदेशों में हुई है। जबकि परम्परागत गेहूं उत्पादक प्रदेशों उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा आदि में गेहूं खेती का क्षेत्रफल पहले से कम हुआ और हरियाणा में तो गेहूं की उत्पादकता में भी कमी दर्ज हुई है। देश में पिछले 6 वर्षों से 95 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र में होने के बावजूद गेहूं फसल की उत्पादकता 33–35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पर अटकी हुई है। जो देश में गेहूं की उत्पादकता में ठहराव का सूचक है।

ऐसे में लगातार बढ़ती जनसंख्या की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए, वर्ष 2050 तक भारत को 140 मिलियन टन गेहूं की आवश्यकता का अनुमान सरकार द्वारा लगाया जा रहा है। लेकिन भविष्य में गेहूं खेती के क्षेत्रफल के बढ़ने की ज्यादा संभावना नहीं है। इसलिये गेहूं फसल की उत्पादकता को मौजूदा 34 से 47 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखना होगा। जो कि देश में उपलब्ध उन्नत तकनीक के आधार पर असंभव तो नहीं, लेकिन मुश्किल जरूर रहेगा। क्योंकि उत्तर भारतीय गेहूं उत्पादक प्रदेशों पंजाब और हरियाणा आदि में गेहूं फसल की औसत पैदावार 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के आसपास ठहर गई है, और मध्य भारत के प्रदेशों में, गेहूं फसल को कम अवधि के सर्द मौसम मिलने से, गेहूं की औसत पैदावार में एक–तिहाई की कमी रहती है।दुर्भाग्य से, भारत में उपलब्ध फसल उत्पादन के सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता पर भी गहरा संकट छाया हुआ है। पिछले कुछ वर्षों से, पहले रिकार्डतोड़ फसल उत्पादन का दावा करने के बाद, सरकार स्वयं ही गेहूं जैसी मुख्य फसलों के आंकड़े घटाती रही है। वर्ष 2021–22 में, सरकार ने पहले 111 मिलियन टन से ज्यादा गेहूं उत्पादन का दावा किया था, लेकिन बाद में इन आंकड़ों को लगभग 6 प्रतिशत घटाकर 105 मिलियन टन करना पड़ा था।इन आंकड़ों के कारण ही सरकार वर्ष 2022–23 सीजन में 44.4 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले मात्र 18.8 मिलियन टन और वर्ष 2023–24 सीजन में 34 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले मात्र 26 मिलियन टन गेहूं की सरकारी खरीद कर सकी है।

तालाब में उतराता मिला अधेड़ का शव

संवाददाता—गोण्डा। थानाक्षेत्र के दुर्गा माझा गांव में मंगलवार सुबह तालाब में अधेड़ का शव उतराता देखकर लोगों में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते तमाम लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा है। थाना क्षेत्र के दुर्गा माझा गांव में सरयू पुल के निकट स्थित एक तालाब में मंगलवार की सुबह स्थानीय लोगों ने एक व्यक्ति का शव उतराता देखा। इस पर लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। मौके पर पहुंची पुलिस नें शव को पानी से बाहर निकाल कर शिनाख्त कराने का प्रयास किया।

शिक्षकों ने समस्याओं के निस्तारण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

संवाददाता—बहराइच। प्रांतीय संघ के निर्देश के क्रम में मंगलवार को शिक्षकों ने मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। शिक्षक महानिदेशक स्कूल शिक्षा की ओर से दिए गए आदेश को काला आदेश बताते हुए विरोध कर रहे थे।

जिसमें एमडीएम, छात्राओं की ऑनलाइन हाजिरी, बिना सिम दिए टैबलेट का संचालन, टैबलेट को स्कूल में न रखना, व्यक्तिगत सुरक्षित रखने आदि अव्यवहारिक निर्देश एवं शिक्षक समस्याओं का निस्तारण नहीं करने के विरोध में जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ उतरा। संघ ने भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम करण टेकड़ीवाल को मांगों संबंधी ज्ञापन सौंपा। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने अपेक्षा की है कि वह शिक्षकों की समस्याओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे। इस अवसर पर टेकड़ीवाल ने शिक्षक पदाधिकारी को आश्वस्त किया कि वह शिक्षक समस्याओं की बात मुख्यमंत्री तक जरूर पहुंचाएंगे और शिक्षक के हर समस्या में उनके साथ रहेंगे।

बार के अध्यक्ष बने जगदीश, महामंत्री अजय

संवाददाता—गोण्डा। तहसील बार एसोसिएशन का चुनाव मंगलवार को काफी गहमागहमी के बीच संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद पर जगदीश प्रसाद तिवारी और महामंत्री पद पर अजय कुमार शुक्ल मतगणना के बाद निर्वाचित घोषित किए गए। परिणाम की घोषणा के बाद अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का जमकर स्वागत किया।

मंगलवार को हुए चुनाव में कुल 144 मतों के सापेक्ष 142 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दोपहर ढाई बजे से मतगणना शुरू हुई। इसमें जगदीश प्रसाद तिवारी को 82 मत और उनके प्रतिद्वंद्वी भानु प्रताप मिश्र को 57 मत मिले। इस प्रकार 25 मत अधिक पाकर जगदीश तिवारी विजयी घोषित किए। वहीं महामंत्री पद पर अजय कुमार शुक्ला ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 20 मतों से शिकस्त दी। अजय को 71, सुधीर श्रीवास्तव को 51 तथा रमेश चन्द्र श्रीवास्तव को 18 मत मिले। संयुक्त मंत्री प्रकाशन पद पर नित्यानंद पान्डेय विजयी हुए। संयुक्त मंत्री प्रशासन के पद पर प्रवीन कुमार तिवारी विजयी हुए। वहीं, उपाध्यक्ष पद अरुण कुमार पान्डेय, कोषाध्यक्ष संदीप कुमार शुक्ल, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर अवधेश कुमार मिश्र,गौरव सिंह व शिखर श्रीवास्तव निर्विरोध चयनित किए गए। इसी प्रकार कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर अनिल कुमार द्विवेदी व श्याम नरायन मिश्र भी निर्विरोध चुने गए। यह जानकारीचुनाव अधिकारी बीके उपाध्याय व अध्यक्ष कार्यसमिति श्याम लाल शुक्ल ने दी। फूल—माला पहनाकर खिलाई मिठाईरू अध्यक्ष व महामंत्री के चुनाव की मतगणना के बाद जीत की खुशी में दोनों के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी करते हुए एक—दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। इस मौके श्रवण कुमार शुक्ल, राज कुमार मिश्र, पंकज पाठक,अमित शुक्ला,उमाकांत शुक्ल आदि मौजूद रहे।

पाठक गुट का दबदबा दिखाः बार एसोसिएशन चुनाव में विगत कई वर्षों से तहसील मनकापुर में पाठक गुट का दबदबा कायम है। इस बार का चुनाव बहुत ही रोचक था। काफी दिनों से चुनाव को लेकर तहसील में गहमागहमी चल रही थी। आखिरकार बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सीके पाठक गुट के प्रत्याशी जेपी तिवारी को वकीलों ने अध्यक्ष चुना है।

संदेशखाली को लेकर एबीवीपी का फूटा गुस्सा, सड़क पर उतरकर किया प्रदर्शन

संवाददाता—बहराइच। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हो रही महिला विरोधी गतिविधियों को लेकर मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। किसान पीजी कॉलेज में सैकड़ों कार्यकर्ता एकजुट होकर सीएम ममता बनर्जी के रवैए को लेकर प्रदर्शन किया। बहराइच—लखनऊ हाईवे पर निकले कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

अभाविप के प्रांत सहमंत्री आदर्श शुक्ला ने कहा कि बंगाल की पवित्र भूमि देवी स्वरूप शक्ति की आराधनास्थली पर महिलाओं की अस्मिता से पश्चिम बंगाल सरकार खेल रही है। संदेशखाली में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की वोट बैंक की राजनीति के चलते कार्रवाई के बजाय मूक समर्थन दे रही हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना की निंदा की। कहा कि एक ओर राज्य सरकार में संरक्षित भ्रष्टाचारियों की ओर से संदेशखाली में पीड़ितों के साथ ज्यादती कर रही हैं। उनमें अधिकांश पिछड़े व अनुसूचित जाति की महिलाएं हैं। जिला संयोजक मयंक अग्रवाल ने बताया संदेशखाली की महिलाओं के ऊपर हो रही हिंसा एवं उनकी सामूहिक अस्मिता के हनन पर अंकुश लगाने की मांग की।

जिला सह संयोजक आशुतोष मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार की संलिप्तता को ध्यान में रखते हुए संदेशखाली के पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपना चाहिए। दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई की जाए। वंशिका मिश्रा ने कहा कि वहां की महिलाओं के साथ वर्षों से हो रहे मानसिक शोषण से धीरे—धीरे उबरने के लिए महिलाओं को मनोचिकित्सकों की ओर से परामर्श सत्रों की भी सुविधा प्रदान की जानी चाहिए। कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर जमकर प्रदर्शन किया, और मौके पर पहुंची सिटी मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर अभय तिवारी, विभाग संयोजक अमित गोंड,अंकुर,रोशनी, कुंज बिहारी शुक्ला, अमरजीत, निखिल, नीलेश आदि सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानाचार्य की हत्या से आक्रोश, शव रखकर धरने पर बैठे परिजन, छात्र—छात्राओं ने निकाला मार्च

संवाददाता—गोण्डा। गोंडा जिले के छपिया थाना क्षेत्र के फूलपुर निवासी व श्री सीडी यादव इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य दिनेश यादव की हत्या के बाद मंगलवार की सुबह परिजनों और क्षेत्रीय लोगों ने आक्रोश जताया। बभनान—मसकनवा मार्ग स्थित फूलपुर चौराहे पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया। आक्रोशित परिजन धरने पर बैठ गये। इससे पूर्व विद्यालय के छात्र—छात्राओं ने बैनर पोस्टर हाथ में लेकर मार्च निकाला। परिजन हत्यारोपियों की तत्काल गिरफ्तारी करने, दो अन्य लोगों का मुकदमे में नाम बढ़ाने, आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग पर अड़े हुए हैं। सूचना पर सीओ मनकापुर राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस तैनात है। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी परिजनों को मनाने में जुटे हुए थे। रविवार की रात में छपिया थाना क्षेत्र के सिसहनी गांव में श्री सीडी यादव इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य दिनेश यादव की सिसहनी में ही स्थित मामा के घर पर गोली मारकर दी गई थी। इस मामले में विद्यालय प्रबंधक और मकतूल के मामा आज्ञाराम यादव की तहरीर पर पुलिस ने अजय वर्मा व राज सिंह के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। सोमवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा। रात भर परिजन शव के साथ बैठे रहे। सुबह होते ही विद्यालय के छात्र—छात्राओं ने बैनर पोस्टर लेकर पैदल मार्च किया और न्याय की मांग की। विद्यार्थियों ने सवाल उठाया कि दिनेश सर को क्यूं मारा, प्रिंसिपल मर्डर हैसटैग के साथ अभियान चलाया। सैकड़ों छात्र—छात्राओं व ग्रामीणों ने शव को मसकनवा—बभनान मार्ग पर जाम लगा दिया। आक्रोशित लोग मुकदमे में दो आरोपियों का नाम बढ़ाने, सभी हत्यारोपियों की तत्काल गिरफ्तारी करने, आरोपियों का घर बुलडोर से ढहाए जाने और परिवार को आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की। सुबह नौ बजे से लोगों का धरना प्रदर्शन चल रहा है। सूचना पाकर एसडीएम मनकापुर, सीओ राजेश कुमार सिंह सहित छपिया, खोड़ारे व मनकापुर की पुलिस भी मौके पर पहुंची। अफसर लोगों को मनाने में जुटे हुए हैं। जबकि परिजन व ग्रामीण मांगें पूरी करने की मांग पर अड़े हैं। श्री सीडी यादव इंटर कॉलेज के सैकड़ों छात्र—छात्राएं अपने हाथों में जस्टिस फॉर प्रिंसिपल दिनेश सर लिखा बैनर लेकर बैठे रहे। प्रिंसिपल को क्यूं मारा, क्या बेटियों की सुरक्षा करना अपराध है? प्रिंसिपल मर्डर हैसटैग के साथ कई सवाल उठाए। कहा कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान छात्र—छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे थे। इसी बीच सिसहनी निवासी अजय वर्मा ने पहुंचकर हूटिंग शुरू कर दी थी। इस पर प्रधानाचार्य ने विरोध किया तो वह उनसे भिड़ गया। जिस पर दिनेश ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने आरोपी अजय का शांतिभंग में चालान कर दिया था।

विद्यार्थियों ने कहा कि इसी खुन्नस में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनके प्रधानाचार्य की हत्या की है। सवाल उठाया कि सरकार बेटियों की सुरक्षा के लिए अभियान चला रही है। बावजूद इसके बेटियों की सुरक्षा करने वाले उनके प्रधानाचार्य की हत्या कर दी जाती है। वह सब न्याय की मांग पर अड़े हुए थे। सुबह शव रखकर सड़क जाम करने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। उसने लोगों को समझाया, लेकिन आक्रोशित लोग कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद सूचना सीओ मनकापुर को दी गई। उन्होंने भी पहुंचकर परिजनों व क्षेत्रीय लोगों को मनाने का प्रयास किया लेकिन नतीजा नहीं निकला। इसके बाद एसडीएम मनकापुर यशवंत राव भी मौके पर पहुंचे और मान मनौवल में जुट गए। हालांकि, दोपहर साढ़े 11 बजे तक मामला शांत नहीं हो सका।

निर्माण कार्यों के साथ पर्यटन विकास का डीएम ने लिया जायजा

संवाददाता—महराजगंज। चौक नगर पंचायत में चल रहे विकास कार्यों व पर्यटन विकास की परियोजनाओं का मंगलवार को डीएम अनुनय झा ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। समय से काम गुणवत्तापूर्वक पूरा कराने का जिम्मेदारों को निर्देश दिया। डीएम ने सबसे पहले निर्माणाधीन ग्रामीण स्टेडियम को देखा। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मल्टीपरपज हॉल, कबड्डी कोर्ट, बाउंड्री वॉल आदि के निर्माण को परखा। कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए जल्द से जल्द अवशेष कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्टेडियम में माल्टीपर्पज हॉल पर मधुबनी पेंटिंग कराने और पूरे परिसर में व्यवस्थित ढंग से पौधरोपण कराने के लिए पीएम यूपीपीसीएल को निर्देशित किया। साथ ही डीओ पीआरडी को निर्माण कार्य का नियमित निरीक्षण करते रहने और कार्य को समय से पूर्ण करवाने का निर्देश दिया। स्टेडियम में 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

स्टेडियम का निरीक्षण करने के बाद डीएम सोनाड़ी देवी मंदिर परिसर में पहुंचकर पर्यटन विकास कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने परिसर में निर्माणाधीन यात्री निवास, सामुदायिक शौचालय, मुख्य द्वार और हवन कुंड को देखा। यूपीपीसीएल के परियोजना प्रबंधक ने बताया कि लगभग 75–80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और अवशेष कार्यों को जल्द पूरा कर लिया जाएगा। डीएम ने सभी कार्यों को एक माह के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने हवन कुंड, यात्री निवास और सामुदायिक शौचालय को जोड़ते हुए इंटरलॉकिंग का काम भी यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। कहा कि सुनिश्चित करें कि सभी कार्य मानक के अनुरूप हों। निरीक्षण के दौरान डीओ पीआरडी वैभव सिंह, परियोजना प्रबंधक यूपीपीसीएल मनोज कुमार शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कमाल के है मुस्कान पुनर्वास केंद्र के दिव्यांग बच्चे

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या।कौन कहता है कि हम दिव्यांग हैं, हम किसी से कम नहीं माना कि हम सुन नहीं सकते,आप की तरह बोल नहीं सकते किंतु भावनाएं तो हमारे अंदर भी है रुचि तो हम भी रख सकते हैं। आपका प्यार आपका दुलार तो हमें भी चाहिए हम क्या नहीं कर सकते हैं आप केवल हमारी थोड़ी सी मदद करें ,हमें प्रोत्साहित करें,हमें रास्ता दिखाएं। अवसर था नदी महोत्सव का स्थान था माँ सरयू का किनारा और कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे थे मुस्कान पुनर्वास केंद्र के यह मूक बधिर बच्चे। इस अवसर पर मूक बधिर बच्चों द्वारा प्रस्तुत देश भक्ति गीत जलवा जलवा लोगों के अंदर देशभक्ति का जज्बा पैदा कर गया लोगों ने तालियों के गड़गड़ाहट से अपनी खुशी व्यक्त की। वहीं दोनों पैरों से दिव्यांग बालिका वंदना पांडे एवं वाणी शुक्ला ने दिखा दिया कि पैर नहीं तो क्या ईश्वर ने दोनों हाथ तो दिए हैं हम उनके सहारे नृत्य करेंगी। बच्चों के अंदर कमाल का उत्साह था। नन्हा बालक समर वर्मा मूक बधिर था किंतु उसने भी माइकल जैक्सन को नृत्य में पीछे छोड़ दिया।

यही सफर समाप्त नहीं हुआ स्लो लर्नर वैष्णवी द्वारा "तू गंगा मां है " पर कमाल का सोलो नृत्य प्रस्तुत किया गया। वहीं ना सुनते हुए भी मूकबधिर बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई जिसमें मुख्य रूप से रिया मिश्रा ,चांदनी वर्मा ,तनुजा यादव, परी और रिमझिम ने भाग लिया। आश्चर्य तो तब हुआ जब शिव तांडव स्त्रोत पर मूकबधिर बच्चों द्वारा एक के बाद एक लगातार 6 पिरामिड बना कर देश का तिरंगा लहराया। बच्चों ने ना बोलते हुए भी "नमामि गंगे" पर नाटक प्रस्तुत किया जिसमें बच्चों ने दिखाया कि किस प्रकार हम अपनी पुण्यदायी नदियों को स्वच्छ रख सकते हैं। उन्होंने दर्शकों एवं समाज से अपील की की इसमें साबुन लगाकर ना नहाए ,कूड़ा ना फेके, मूर्ति विसर्जन ना करें ,मल मूत्र ना फेके जिससे हमारी नदिया स्वच्छ रहे। मुस्कान के मूक बधिर बच्चों ने कला प्रतियोगिता में भी भाग लेकर नदी की स्वच्छता पर ध्यान आकर्षित किया। उक्त शानदार कार्यक्रम जिला गंगा समिति की परियोजना अधिकरण श्वेता साहू द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें मुस्कान पुनर्वास केंद्र के बच्चों को कार्यक्रम हेतु आमंत्रित किया गया था। उक्त अवसर पर मुस्कान पुनर्वास केंद्र की निदेशक डॉ रानी अवस्थी, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन उत्तर प्रदेश से प्रिया अग्रवाल तथा प्रभागीय वन अधिकारी अरुण कुमार मौर्या तथा गंगा समिति एवं वन विभाग के अन्य पदाधिकारीगढ़ उपस्थित थे। कला प्रतियोगिता के अतिरिक्त लेखन प्रतियोगिता एवं नाटक प्रतियोगिता भी संपन्न हुई। मूक बधिर बच्चों द्वारा प्रस्तुत नाटक का अनुवाद निदेशक डॉ रानी अवस्थी द्वारा करके लोगों को बताया गया साथ ही दिव्यांगों की प्रतिभा ,उनकी खासियत ,उनकी इच्छाओं ,उनके व्यवहार से भी उपस्थित जन समूह को अवगत कराया गया। इस शानदार कार्यक्रम के अंत में परियोजना अधिकारी श्वेता साहू द्वारा डॉ रानी अवस्थी एवं अन्य उपस्थित पदाधिकारी को नदी महोत्सव का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

तय समय में पूरा करें स्कूल का निर्माण कार्य अन्यथा होगी कड़ी कार्रवाई

संवाददाता—श्रावस्ती। जिलाधिकारी ने प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूल में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधूरे पड़े निर्माण कार्य को देख कर डीएम ने नाराजगी जाहिर की और तय समय में निर्माण कार्य पूरा न करने पर जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया। गिलौला विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय लखाही खास व उच्च प्राथमिक विद्यालय सिहनिया का स्कूल भवन जर्जर हो गया था। जिसका ध्वस्तीकरण कराने के बाद इस समय पुनर्निर्माण कराया जा रहा है। मंगलवार को जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने दोनों स्कूलों में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता जांची तथा अब तक हुए निर्माण का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित को समय—सीमा के अन्दर निर्माण पूरा कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मानक के अनुसार सभी अवशेष कार्यों को पूर्ण कराते हुए जल्द से जल्द हस्तगत कराने की कार्रवाई की जाय। ताकि समय से नये भवन में शिक्षण कार्य शुरु हो सके। डीएम ने कहा कि स्कूलों के निर्माण में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

देश की उन्नति के लिए सभी दें अपने विचार

संवाददाता—गोण्डा। कस्बे के पड़ाव मोहल्ले में स्थित आवास पर मंगलवार दोपहर पूर्व मंत्री/विधायक रमापति शास्त्री ने प्रेसवार्ता आयोजित कर मोदी और योगी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है। आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के सरकार के संकल्प पर चर्चा की।

पूर्व मंत्री शास्त्री ने कहा कि भाजपा ने देश की उन्नति में लोगों का विचार जानने के लिए हर गांव, मोहल्लों में संकल्प बाक्स रख कर लोगों से सुझाव मांगा है। विकसित भारत की कल्पना को संकल्प के रूप में सहायक हो इसके लिए जिले के सभी नागरिक संकल्प बाक्स एवं वैन तक पहुंच कर अपने विचारों एवं भावनाओं को पत्र के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री मोदी को अवगत कराएं। इससे भारत विकासशील देश से ऊपर उठकर विकसित राष्ट्र बने और राम राज्य की कल्पना साकार हो सके। पूर्व मंत्री ने कहा कि भाजपा अपने जन्मकाल से ही भारत की जनाकांक्षाओं, सांस्कृतिक विरासत राष्ट्रीय व सामाजिक सुरक्षा के साथ राष्ट्रवाद की प्रबल विचारधारा के बल पर आत्मनिर्भर विकसित की कल्पना के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आत्मसात कर रही है।

मां सरयू की पावन तट पर चल रहे महायज्ञ में पहुंच कर एमपी के मुख्यमंत्री ने आशीर्वाद प्राप्त किया

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। महामण्डलेश्वर स्वामी श्री प्रखर महाराज के पावन सनिध्य एवं श्रीमज्जगद्गुरु रामानुजाचार्य डॉ० स्वामी राघवाचार्य जी महाराज के संयोजकत्व में गोला घाट, सरयू तट पर चल रहे श्री लक्षचण्डी महायज्ञ, श्री लक्षणपति महायज्ञ एवं श्री राम यज्ञ के विशाल प्रांगण में 1700 कर्मनिष्ठ विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा दुर्गासप्तशती पाठ, गणपत्यथर्वशीर्ष पाठ एवं पुरुष सूक्त पाठों का कम जारी है, महायज्ञ की विराट 100 कुण्डीय यज्ञशाला में यज्ञाचार्य वेदमूर्ति पं० लक्ष्मीकान्त दीक्षित जी के आचार्यत्व में प्रातः के समय पूजन एवं सायं के समय हवन कुण्ड में आहुतियाँ, पूर्व की भाँति प्रदान की जा रही हैं, साथ ही श्रौत यज्ञ के अन्तर्गत मित्रविन्दाष्टि यज्ञ, दो अग्निहोत्र वैदिक ब्राह्मणों द्वारा किया जा रहा है। महायज्ञ के ज्ञान मण्डपम् प्रवचन पण्डाल में सन्त सम्मेलन एवं वृन्दावन से पधारे श्री कृष्ण चन्द्र ठाकुर जी महाराज के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा, लीला मण्डपम् में दिन के समय श्रीराम लीला एवं रात्रि के समय श्रीकृष्ण लीला व सरयू आरती का आनन्द, श्रद्धालुजन पूर्ण भक्ति भाव से ले रहे हैं। ध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके साथ कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी यज्ञ स्थल पर पहुंचे दर्शन पूजन किया और संतों का आशीर्वाद लिए।आज प्रातः कालीन सत्र के सन्त सम्मेलन में प्रखर परोपकार मिशन संस्कृत एकेडमी के डॉयरेक्टर डॉ० सज्जन प्रसाद तिवारी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूज्य गुरुदेव की कृपा से ही हम लोग भगवान श्रीराम जी की पावन जन्मभूमि में इस तरह के दुर्लभ आयोजन देख पा रहे हैं, बड़े सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर हर किसी को नहीं मिलते एवं बार—बार भी नहीं मिलते।माता वैष्णों मन्दिर, जम्मू से पधारे अभिषेक उपाध्याय जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम जी तो विराज गए हैं, हम सभी के लिए बड़े सौभाग्य की बात है किन्तु मेरा व्यक्तिगत निवेदन है कि माता किशोरी श्रीजी का भी भव्य मन्दिर का निर्माण अयोध्या धाम में हो।सम्मेलन को माता विद्यानन्दमयी जी, डॉ० परमेश्वर दत्त शुक्ल एवं श्रीश दत्त शुक्ल जी ने भी सम्बोधित किया। सन्त सम्मेलन के अवसर पर सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के मीमांसा विभाग के प्रो० कमलाकान्त त्रिपाठी जी द्वारा लिखित पुस्तक शशास्वत धर्मश का विमोचन, पूज्य डॉ० स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज जी के कर कमलों द्वारा किया गया।

जिला अस्पताल में नवजात शिशुओं के लिए बनेगा मिल्क बैंक

संवाददाता—महराजगंज। जिला अस्पताल के न्यू सिक बार्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में भर्ती नवजात को स्तनपान कराने के लिए दूसरी महिला की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए एसएनसीयू वार्ड में मिल्क बैंक (लैक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट) बनेगा। मिल्क बैंक में मां का दूध निकाल उसे अत्याधुनिक हाईजीन तरीके से सुरक्षित रखा जाएगा। जरूरत पड़ने पर वार्ड में तैनात स्टाफ नर्स बैंक से दूध लेकर नवजात को पिलाने का कार्य करेंगी। ऐसे में नवजात अपने ही मां का दूध ले सकेंगे। जिला अस्पताल में नवजात अर्थात शून्य से 28 दिन के बीमार नवजात को त्वरित इलाज देने के लिए 26 बेड का एसएनसीयू वार्ड संचालित है। अत्याधुनिक इलाज उपकरणों से सुसज्जित एसएनसीयू वार्ड हमेशा ओवरलोड रहता है। एक बेड पर दो से तीन नवजातों को भर्ती कर इलाज दिया जाता है। लेकिन वार्ड में भर्ती इन नवजातों की अधिकांश मां जिला महिला अस्पताल या प्राइवेट हास्पिटल में भर्ती रहती हैं। स्तनपान कराने के लिए इन माताओं को एसएनसीयू वार्ड जाना पड़ता है। यदि जच्चा की हालत की गंभीर है तो उसके रिश्तेदारी या पड़ोसी महिला को स्तनपान कराने के लिए अस्पताल जाना पड़ता है। मां दूध रहते हुए भी अपने नवजात को स्तनपान नहीं करा पाती हैं। इससे जच्चा को काफी परेशानी होती है। इस समस्या से निजात दिलाने के लिए अस्पताल प्रशासन एसएनसीयू वार्ड में हाईटेक मिल्क बैंक बना रहा है।अस्पताल या घर पर मौजूद मां का दूध निकाल उसे अत्याधुनिक हाईजीन तरीके से मिल्क बैंक में सुरक्षित रखा जाएगा। जरूरत पड़ने पर बैंक से दूध लेकर कर्मचारी नवजात को पिलाने का कार्य करेंगे। एसएनसीयू वार्ड में भर्ती नवजात की मां, जो किसी दूसरे अस्पताल में भर्ती हैं। जन्म के बाद स्तनपान नहीं कर रहे नवजात की मां का दूध और ऑपरेशन से जन्मे अस्वस्थ नवजात की मां का दूध बैंक में सुरक्षित रखा जाएगा। मिल्क बैंक में महिलाएं दूध दान कर सकती हैं। माताएं दूध निकालकर मिल्क बैंक ले जाएंगी। वहां पर तैनात तकनीशियन महिला का नाम रजिस्टर में दर्ज कर उसका दूध मिल्क बैंक में सुरक्षित करेगा। जरूरत पड़ने पर वार्ड में भर्ती नवजातों को पिलाने का कार्य करेंगे। डॉ. अर्जुन प्रसाद भार्गव, सीएमएस ने कहा कि जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में मिल्क बैंक निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। बहुत जल्द मिल्क बैंक तैयार हो जाएगा। महिला अस्पताल, सीएचसी या प्राइवेट हास्पिटल में भर्ती जच्चा का दूध मिल्क बैंक में सुरक्षित किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर वार्ड में भर्ती नवजात को उसकी मां का दूध दिया जाएगा। महिलाएं मिल्क बैंक में दूध दान कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री आवास बनाने में महसी को प्रदेश में मिला प्रथम स्थान

संवाददाता—बहराइच। महसी विधायक सुरेश्वर सिंह ने कहा कि आजादी की शताब्दी 2047 पूरी होने तक भाजपा सरकार देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाएगी। उसी क्रम में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन की सरकार चहुंमुखी विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। मंगलवार को विधायक ने तेजवापुर ब्लॉक सभागार में विकसित भारत के लक्ष्य पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह जानकारी दी।

कहा कि सरकार ने हवाई अड्डा, एक्सप्रेस वे, मेडिकल कालेज, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, इज्जतघर एवं मुफ्त बिजली व उज्ज्वला गैस कनेक्शन देने में प्रदेश ने नए— नए आयाम गढ़े हैं, सड़कें चमक उठी हैं। उन्होंने दो वर्षों में कराए गए विकास कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि करोड़ों की लागत से सड़कों का जाल बिछाया गया है।

विधायक ने कहा कि 91 करोड़ की लागत से सरकार ने कुंडासर से नानपारा के बीच सात मीटर चौड़ी सड़क के निर्माण की स्वीकृति दी है। मेटरिया घाट पर पुल निर्माण अंतिम चरण में है। तटबंध की मरम्मत, वृद्ध, विधवा को पेंशन, गरीबों को छत, दैवीय आपदा पीड़ित परिवारों को मदद दी गई। विधायक ने कहा कि सरकार ने उपेक्षित और पिछड़े गांवों में भी विकास की गंगा बहाई है। वर्ष 2014 में अखिलेश सरकार ने प्रदेश का बजट 2.5 लाख करोड़ का रखा था जिसको भाजपा सरकार ने बढ़ाकर सात लाख करोड़ कर दिया है। देश के 80 करोड़ व प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। 18 तरह के कामगारों को प्रशिक्षण देकर उन्हें किट मुहैय्या कराई जा रही है। उनके लिए तीन लाख तक ऋण की व्यवस्था है। सरकार देश की प्राचीन धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत को भी सहेजने का काम कर रही है। जिले में महाराणा प्रताप व महाराजा सुहेलदेव की मूर्ति लगवाई गई।

इस मौके पर भाजपा जिला प्रतिनिधि अखंड प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रमाकर पांडेय, मंडल अध्यक्ष शशिकांत त्रिपाठी, संजय त्रिवेदी, सर्वजीत सिंह गुड्डू, जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र सिंह तरंगी, भरत लाल पांडेय, गंगू राम निषाद समेत अन्य मौजूद रहे।

विधायक ने कहा कि महसी की जनता के लिए यह गर्व का विषय है कि मुख्यमंत्री आवास बनाने में महसी अव्वल रहा है । वित्तीय वर्ष 2022–23 व 2023–24 में महसी में 322 मुख्यमंत्री आवास बनाए गए हैं। जिसके लिए प्रदेश में महसी विकास खंड को पहला स्थान प्राप्त हुआ है, जो प्रदेश के सभी विकास खण्डों में सबसे अधिक है।

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)
न्यायालय– श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 589 / 11 / 2023
थाना–परसरामपुर
जिला–बस्ती
श्रीमती पूजा देवी
बनाम
अवधेश कुमार
तारीख पेशी 27–03–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 सी0आर0पी0सी0
विपक्षी–अवधेश कुमार पुत्र राम प्रकाश कौशल उम्र लगभग 32 वर्ष निवासी ग्राम व पोस्ट सैदपुर थाना बाबा बाजार तहसील रूदौली जनपद फैजाबाद / अयोध्या
विपक्षी
के नाम
चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं / अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 03 मास के 27 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।
सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।
हस्ताक्षर
प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

मायावती को सपा ने दिया तगड़ा झटका, रुश्दी सपा में शामिल

संवाददाता–अयोध्या। फैजाबाद लोकसभा सीट पर बसपा से टिकट के दावेदार सैयद अब्बास अली जैदी रुश्दी मियां की आखिरकार घर वापसी हो गई। दो वर्ष बाद रुदौली के पूर्व विधायक रुश्दी मियां अपने पुराने घर सपा में वापस लौटे हैं। सोमवार को सपा के प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनको पार्टी की सदस्यता दिलाई। फैजाबाद लोकसभा सीट के इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इन्क्लूसिव अलायंस के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने उत्तरीय पहना कर उनका अभिनंदन किया। सपा की सदस्यता लेने के साथ ही रुश्दी ने पिछले एक सप्ताह से राजनीतिक गलियारों में चल रही अटकलों पर पूर्ण विराम लगा दिया। रुश्दी मियां मूल रूप से समाजवादी हैं और उन्होंने लगभग 30 वर्षों तक सपा में काम किया। वह रुदौली विधानसभा क्षेत्र से लगातार दो बार विधायक रहे। वर्ष 2022 के चुनाव में जब रुश्दी मियां का सपा ने टिकट काट कर यहां से पूर्व विधायक आनंदसेन यादव को उम्मीदवार बनाया तो पार्टी हाईकमान के फैसले से नाराज रुश्दी ने नामांकन के अंतिम दिन साइकिल से उतर कर हाथी की सवारी कर ली थी। बसपा के टिकट पर मैदान में उतरे रुश्दी मियां ने लगभग 52 हजार मत पाकर अपनी सियासी ताकत का अंदाजा करा दिया था। हालांकि, उनकी हार हुई और साथ ही सपा प्रत्याशी को भी हार का मुंह देखना पड़ा। विधानसभा चुनाव के बाद से ही उनके सपा में वापस लौटने की चर्चाएं होती रही, लेकिन बसपा ने उनको चार मंडलों का संयोजक बना दिया। बसपा से रुश्दी मियां फैजाबाद लोकसभा से टिकट के प्रबल दावेदारों में थे, पर बसपा उनको अंबेडकरनगर लोस क्षेत्र से लड़ाने पर विचार कर रही थी।

इससे नाराज हुए रुश्दी ने सपा का फिर से दामन थाम लिया। उनके साथ ही पूर्व ब्लाक प्रमुख मुनव्वर अली, शाह हयात मसूद गजाली, अतीक खां, सभासद मुमताज अंसारी, मकसूद आलम नूरी, सभासद प्रतिनिधि फैसल व पूर्व सभासद उस्मान अंसारी सहित सैकड़ों समर्थकों ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। पूर्व विधायक रुश्दी मियां ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार जताते हुए कहा कि यह समय संघर्ष का है और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संघर्ष करने का अवसर दिया है। बसपा छोड़ने का कारण पूछे जाने पर उन्होंने सवाल को टालते हुए कहा कि बसपा छोड़ी नहीं, पुराने घर वापस आए हैं। उन्होंने कहा कि हर हाल में गठबंधन के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद को चुनाव जिताने का प्रयास करेंगे। आजमगढ़ के कद्दावर नेता गुड्डू जमाली के बाद रुश्दी मियां की वापसी करा कर सपा ने बसपा को तगड़ा झटका दिया है। पूर्वांचल में सजातीय मतदाताओं में दोनों नेताओं की अच्छी पैठ मानी जाती है।

पढ़ाने की नई तकनीक सीख रहे शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता– पौली (संतकबीर नगर)। विकास क्षेत्र पौली के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी) प्रशिक्षण का द्वितीय बैच का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ खण्ड शिक्षाधिकारी जर्नादन यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित और फीता काट कर किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षाधिकारी ने कहा कि इस प्रशिक्षण से बुनियादी भाषा एवं गणितीय दक्षताओं को हासिल करने में सुलभता मिलेगी। प्राथमिक स्तर के सभी शिक्षक व शिक्षामित्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा। जिससे बच्चे सुगमता से सीख सके। शिक्षक विद्यालय में जा कर शिक्षण के दौरान टीएलएम का उपयोग अवश्य करे। जिससे बच्चे आसानी से सीख सके। शिक्षण कार्य के दौरान आधारशिला क्रियान्वयन एवं संदर्शिका का उपयोग अवश्य करे। इसमे किसी भी प्रकार की लापरवही न बरते। द्वितीय बैच मे पच्चास पच्चास शिक्षको का ग्रुप बना कर दो कक्षा कक्षों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संदर्भदाता एआरपी राजेंद्र यादव, हरीराम यादव, अजय कुमार, राजेश गुप्ता व दिलीप कुमार ने प्रतिभागियों को आधार शिला क्रियान्वयन व संदर्शिका आधारित भाषा–गणित शिक्षण की वार्षिक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा 2022 के निदेशक तत्वो, साप्ताहिक व दैनिक कार्ययोजना सहित अन्य विधाओं की जानकारी दी गयी।

प्रशिक्षण में विपिन कुमार, दीपक यादव, नित्यानंद, अनिल कुमार, देवेंद्र, मो उमर, शशिभूषण, मनोज कुमार, पराग सिंह, राघवेंद्र, राजन सिंह, नितेश सिंह, विजय कुमार, मुमताज, राममोहन शुक्ला, मुजीबुल्लाह, इफ्तेखार अहमद,एकता गोस्वामी, रुपाली बर्मा, चंद्रावती, प्रतिमा पाल, माया सिंह, नीलम, अनीता, वीवो खातून, रेखा गुप्ता सहित तमाम शिक्षक व शिक्षा मित्र उपस्थित रहे।

पुलिस और गो–तस्करों के बीच हुई मुठभेड़, दो तस्कर गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी – इटवा मार्ग पर गोल्हौरा थाना क्षेत्र के ग्राम बिशुनपुर के पास एसओजी, सर्विलांस व गोल्हौरा थाना पुलिस से गो तस्करों की मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से चली गोली में एक तस्कर सहित सर्विलांस प्रभारी घायल हो गए। घायलों का उपचार चल रहा है। एसओजी प्रभारी शेष नाथ यादव को सूचना मिली कि गो तस्करी में संलिप्त गोल्हौरा थाना का गैंगेस्टर महराजगंज जनपद कोतवाली के धनेवा धनई ग्राम निवासी अब्बास अपने एक साथी जिला मुख्यालय के ग्राम परसा महापात्र निवासी अजहर के साथ गोवंश लेने के लिए पिकअप वाहन से जा रहा है। एसओजी प्रभारी सर्विलांस प्रभारी सुरेंद्र सिंह के साथ गोल्हौरा थाने पर पहुंचे और वहां की पुलिस टीम के साथ बांसी –इटवा मार्ग स्थित विशुनपुर गांव के पास गाड़ा बंदी कर दिए। गो तस्करों की पिकअप आते देख पुलिस टीम ने उसे रोकने का प्रयास किया तो सभी वाहन से कूद कर भागने लगे। इस दौरान गैंगस्टर अब्बास ने तमंचे से फायर कर दिया इसमें टीम में शामिल सर्विलांस प्रभारी के बाए हाथ की बांह को चीरते हुए गोली निकल गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अब्बास के बाएं पैर में भी गोली लग गई। अब्बास को गोली लगने के बाद दूसरे साथी अजहर ने भी डर कर अपने को सरेंडर कर दिया। अब्बास ने बताया कि वह पिकअप लेकर बलरामपुर जा रहा था जहां से वह इसमे 12 की संख्या में गो वंश को लाद कर विक्री के लिए ले जाता। तस्करों के पास से बरामद पिकअप, एक तमंचा व एक जिंदा कारतूस व एक कारतूस का खोखा पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। गैंगेस्टर अब्बास के खिलाफ बलरामपुर व गोल्हौरा थाना में कई मुकदमे पंजीकृत है। इस कार्रवाई में एसओजी व सर्विलांस टीम प्रभारी के अलावा गोल्हौरा थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार, उप निरीक्षक वीरेंद्र कुमार राय, मुख्य आरक्षी कमलेश यादव, विवेकानन्द यादव, आरक्षी अखिलेश कुमार, एसओजी टीम से मुख्य आरक्षी राजीव शुक्ला, आशुतोष धर दुबे, दिलीप कुमार, आरक्षी छविराज, सतेंद्र यादव, रोहित चौहान व सर्विलांस सेल से मुख्य आरक्षी हिन्द आजाद, जनार्दन प्रजापति शामिल रहे।

40 लाख खर्च के बाद भी रेलवे में शुरू नहीं हो पाई आनलाइन हाजिरी

संवाददाता–गोरखपुर। इसे रेलवे प्रशासन की इच्छाशक्ति का अभाव कहें या आनलाइन हाजिरी को लेकर उदासीनता या समय से दफ्तर पहुंचने का डर। लगभग पूरी तरह डिजिटल प्लेटफार्म पर आने के बाद भी रेलकर्मी रजिस्टर पर ही हाजिरी लगा रहे हैं। यह तब है जब रेलकर्मियों की छुट्टी और सुविधा पास से लगायत संबंधित विभागीय कार्य आनलाइन होने लगे हैं। रेलवे बोर्ड के दिशा–निर्देश और लगातार प्रयासों के बाद भी पूर्वोत्तर रेलवे में आज तक आनलाइन हाजिरी शुरू नहीं हो सकी। रेलवे बोर्ड के दिशा–निर्देश पर पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय गोरखपुर में अक्टूबर, 2014 से ही बायोमीट्रिक मशीन लगाने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। रेलवे प्रशासन और यांत्रिक कारखाना प्रबंधन ने भी स्वीकार किया कि बायोमीट्रिक मशीनें तो लगाई गईं, लेकिन वर्तमान में रेलकर्मियों की आनलाइन हाजिरी शुरू नहीं हो पाई है। मिली जानकारी के अनुसार रेलवे प्रशासन ने विभागीय कार्यालयों में बायोमीट्रिक मशीन लगाने में ही 40,69,820 लाख रुपये खर्च कर डाले हैं। इसमें गोरखपुर स्थित कार्यालयों में बायोमीट्रिक मशीन लगाने के लिए 28,93,000 रुपये खर्च हुए हैं। सिर्फ यांत्रिक कारखाने में मशीन लगाने के लिए 11,76,820 रुपये खर्च हो चुके हैं। मशीनें जानकारों का कहना है कि कार्यालयों में कोविडकाल के पहले ही बायोमीट्रिक मशीनें लग गई थीं। आनलाइन हाजिरी की व्यवस्था शुरू होने से पहले ही मशीनें उजड़ गईं। यही स्थित कारखाना की है।

कारखाना में पिछले साल कुछ दिन आनलाइन हाजिरी शुरू होने के बाद बंद हो गई, आज तक शुरू नहीं हो पाई। बाद में कारखाना प्रबंधन ने फेसियल रिकग्निशन सिस्टम भी लगाया लेकिन गेटों पर लगी सभी मशीनें धूल फांक रही हैं। इनमें अधिकतर बदहाल हैं, यही स्थिति रही तो मशीनें भी गायब हो जाएंगी। आनलाइन हाजिरी को लेकर न संबंधित अधिकारी संज्ञान लेते हैं और न कर्मचारी रुचि दिखाते हैं। रेलवे प्रशासन यह भी स्पष्ट नहीं कर पा रहा कि कर्मचारियों की नियमित आनलाइन हाजिरी कब से शुरू हो पाएगी। जानकार कहते हैं कि रेल मंत्रालय जोनल और डिविजनल कार्यालयों में लगातार अनावश्यक खर्चों में कटौती का दबाव बना रहा है, रेलवे प्रशासन बिना सोचे–समझे पैसा खर्च कर रहा है।

दहेज उत्पीड़न व गर्भपात का आरोपित अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ पुलिस ने दहेज उत्पीड़न और गर्भपात के मामले में फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। गोरखनाथ थाना के इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपित सैय्यद मोहम्मद अमान मसरुर निवासी 490–5 रसूलपुर कामरेड नगर थाना गोरखनाथ का रहने वाला है। वह दहेज उत्पीड़न और गर्भपात के मुकदमे में वांछित था।

चोरी की ई रिक्शा के साथ दो युवक गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। कोतवाली पुलिस ने चोरी के ई रिक्शा और बैटरी के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। कोतवाली इंस्पेक्टर ने बताया कि पकड़े गए आरोपित की पहचान सूरज कुशवाहा निवासी माधोपुर सुरजकुण्ड थाना तिवारीपुर और अर्जुन कुशवाहा निवासी राज नर्सिंग होम निकट काली मन्दिर दुर्गाबाड़ी थाना कोतवाली के रूप में हुई।

कोतवाल ने बताया कि सूरज कुशवाहा के ऊपर दो तो वहीं अर्जुन के ऊपर चोरी का दो केस दर्ज है।

जयन्ती पर गिनाये महर्षि दयानन्द के 200 उपकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। महर्षि दयानन्द सरस्वती का जन्म फाल्गुन कृष्ण दशमी तदनुसार 12फरवरी सन 1824 को गुजरात के टंकारा ग्राम में हुआ था। इसी तिथि को देश उनकी दो सौवीं जयंती मना रहा है। इसी कड़ी में स्वामी दयानन्द विद्यालय सुरतीहट्टा बस्ती में उनकी जयंती के अवसर पर वैदिक यज्ञ और विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों और शिक्षकों ने उनके द्वारा किए गए दो सौ उपकार गिनाए। कार्यक्रम में उपस्थित ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि युग पुरुष महर्षि दयानंद सरस्वती एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने समाज में पनप रही हर बुराई का खुलकर विरोध किया, भारतवर्ष में व्याप्त हर पाखंड–ढोंग, सामाजिक कुरूतियो, अंग्रेजी शासन का डटकर विरोध किया, समाज, देश धर्म के विरोधियों तथा विधर्मियों से जमकर लोहा लिया। वे भारतीय प्राचीन सत्य सनातन वैदिक संस्कृति सभ्यता के पुनरोद्धारक तथा समाज सुधारक व उद्धारक के लिए जाने जाते है। यज्ञ कराते हुए गरुण ध्वज पाण्डेय ने बताया कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने सम्पूर्ण मानव जाति को वेदों की ओर लौटने का नारा देकर उन्हें सन्मार्ग दिखाया। उनसे प्रभावित होकर अनगिनत क्रान्तिकारी देश को अन्याय, अभाव और अंधकार से बचाने के तैयार हुए इसके लिए आज पूरी दुनिया के लोग वैदिक सिद्धान्त को ग्रहण करके सबके लिए पथ प्रदर्शक बने हुए हैं। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक आदित्य नारायण गिरि, शिक्षक अनूप कुमार त्रिपाठी, अरविन्द श्रीवास्तव, दिनेश मौर्य, नितीश कुमार, अनीशा मिश्रा महक मिश्रा, कुमकुम, साक्षी, श्रेया, प्रियंका आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

मृत घोषित करते ही चिकित्सक बनाएंगे प्रमाण पत्र

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मेडिकल कॉलेज में अब डेथ सर्टिफिकेट बनना आसान होगा। इमरजेंसी में मौजूद चिकित्सक की ओर से मरीज को या सामान्य व्यक्ति को मृत घोषित करते ही डेथ प्रमाणपत्र बनाना होगा। इसके लिए चिकित्सकों को प्रशिक्षित करते हुए प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया गया है। इस आदेश से तीमारदारों को बड़ी राहत मिलेगी और लोगों को प्रमाणपत्र बनवाने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। दरअसल, विश्व मानचित्र पर अब बीमारियों को कोडिंग सिस्टम के जरिए पहचाना जा रहा है। इसे लेकर मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों, जेआर व एसआर को कार्यशाला के जरिए प्रशिक्षित करते हुए कोडिंग सिस्टम से परिचित कराया गया है। इसमें बताया गया कि मरीज, एक्सीडेंटल या सामान्य व्यक्ति को मृत घोषित करने पर बर्थ एंड डेथ रजिस्ट्रेशन एक्ट के मुताबिक प्रमाणपत्र देना अनिवार्य है। मेडिकल कॉलेज में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मो. नौशाद आलम ने बताया कि किसी की बीच रास्ते में मौत हो जाती है और उसे स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक मृत घोषित करते हैं तो अभी तक मृत प्रमाणपत्र नहीं दिया जाता है जबकि बर्थ एंड डेथ रजिस्ट्रेशन एक्ट 1969 व 2023 से उनका भी मृत प्रमाणपत्र बनाना अनिवार्य है। कार्यशाला के जरिए इसकी गंभीरता को बताते हुए आगे से किसी को मृत घोषित करने पर अनिवार्य रूप से प्रमाणपत्र बनाकर देने की बात कही गई है।

कालेसर आवासीय योजना के ले–आऊट को मंजूरी, योजना में होंगे 418 भूखंड, करना होगा इंतजार

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बोर्ड की 60वीं बैठक कमिश्नर अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में कमिश्नर सभागार में हुई। जिसमें कालेसर में प्रस्तावित आवासीय योजना के ले–आऊट को मंजूरी मिल गई। यह निर्णय भी हुआ कि आवासीय योजना के भूखंड का आवंटन ई–लाटरी के जरिए होगा। कमर्शियल भूखंडों का आवंटन नीलामी के जरिए होगा। इसके साथ ही भगवानपुर और भीटी रावत में जमीन अधिग्रहण के लिए पूर्व में तय रेट पर ही मुआवजा देने का निर्णय लिया गया। कालेसर आवासीय योजना के ले–आउट के मुताबिक, योजना में कुल 418 भूखंड होंगे। 35 से लेकर 300 वर्ग मीटर के भूखंड उपलब्ध होंगे। अभी तक गीडा में आवासीय भूखंडों का आवंटन पर्ची निकालकर होता था। इस बार भूखंडों का आवंटन ई–लाटरी के जरिये होगा। अधिकारियों ने बताया कि भूखंड की कीमत को लेकर अभी निर्णय नहीं हो सका है। इसके लिए गीडा की टीम काम कर रही है। माना जा रहा है कि आवासीय योजना का विज्ञापन अब चुनाव के बाद भी निकलेगा।

इसके साथ ही बोर्ड बैठक में निर्णय लिया गया कि गीडा के अधिसूचित क्षेत्र भीटीरावत (सेक्टर–26) व भगवानपुर (सेक्टर–27 व 28) में पूर्व में निर्धारित रेट पर ही जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। भगवानपुर में किसानों को सर्किल रेट का चार गुना और भीटी रावत में सर्किल रेट का तीन गुना मुआवजा दिया जाएगा। इसके साथ ही बोर्ड ने लीज और मेंटेनेंस के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। बैठक का संचालन सीईओ श्रीमती अनुज मलिक ने किया।

माँ की डांट से नाराज 11वीं की छात्रा ने की खुदकुशी

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के बालापार में मंगलवार की सुबह आठ बजे मां की डांट से नाराज होकर एक किशोरी ने खुदकुशी कर ली। बालापार निवासी जितेन्द्र साहनी की 16 वर्षीय बेटी राधा मंगलवार को सुबह कोचिंग से घर लौटी। किसी बात को लेकर मां ने उसे डांट दिया।

इससे नाराज होकर दूसरे मंजिले पर कमरे में पंखे में दुपट्टे का फंदा बनाकर झूल गई। जब तक परिजन कुछ जान पाते तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। राधा इन्द्रसना इण्टर कालेज बालापार में 11वीं की छात्रा थी। दो बेटी एक बेटे में सबसे बड़ी थी।

72 घंटे के अंदर पोर्टल पर करें ओलावृष्टि और बरसात से बर्बाद फसल की शिकायत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में पश्चिमी विक्षोभ के चलते जिले में हुई भारी बरसात और ओलवृष्टि ने रबी की फसल को बर्बाद कर दिया है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि फसल बीमा कराने वाले किसान अपने फसलों के नुकसान के बारे में 72 घंटे के अंदर बीमा कंपनी के पोर्टल पर शिकायत करें। कुदरत का कोप किसानों पर ओलावृष्टि बन कर बरसा है। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। चना मटर, मसूर, सरसो, आलू, टमाटर, बैगन, भरुआ मिर्चा सहित दूसरी फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। फसलों की बरबादी देख कर किसान मायूस हो रहे हैं। खलीलाबाद तहसील क्षेत्र के पिपरा हसनपुर, पस्तोरवा, नौवागांव, टेमा रहमत, अगया, बूधा कला सहित समूचे क्षेत्र गांवों में और धनघटा के महुली क्षेत्र के गांवों की फसल बर्बाद हो गई। बड़े पैमाने पर हुई ओलावृष्टि ने किसानों को तोड़ दिया। प्रगतिशील किसान सुरेन्द्र राय ने बताया कि जिस प्रकार की बरसात हुई है। इससे किसानों का तनिक भी भला नहीं होगा। अधिक मात्रा में गेहूं की फसल खेतों में गिर गई है। फूल अवस्था में गेहूं की फसल गिरने की वजह से बालियों में दाने नहीं बनेंगे। ऐसे में 30 से 40 फीसदी तक उपज कम होने का आनुमान है। कठैचा के रहने वाले बजरंगी ने बताया कि इस बरसात से चना और मटर की फसल के भारी नुकसान हुआ है। जायद में बोई जाने वाली अगैती सब्जियों के खेत में पानी जमा होने की वजह से फसलें पूरी तरह से चौपट हो गई हैं। बारिश से गेहूं, तिलहन के साथ ही बड़ी मात्रा में आलू की फसल को भी नुकसान हुआ है। हालांकि प्रशासन ने नुकसान की भरपाई के लिए सर्वे कराने की बात कही है, लेकिन अब तक राजस्व कर्मियों के न पहुंचने से किसानों में नाराजगी है। जिला कृषि अधिकारी पीसी विश्वकर्मा ने कहा कि फसल बीमा कराने वाले किसान कृषि विभाग का ब्लाक पर स्थापित कार्यालय पर ओलावृष्टि से हुई नुकसान का फार्म भर कर जमा कर दें। इसके अलावा जिन किसानों के पास बीमा नहीं है वह तहसील में अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता–गोरखपुर। बड़हलगंज कोतवाली क्षेत्र के सरया महुलिया गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल अश्वनी पांडेय ने बताया कि थाना क्षेत्र के सरया महुलिया गांव से पुलिस को मंगलवार की सुबह करीब दस बजे सूचना मिली कि गोविंद कुमार (30) पुत्र स्व. सुरेंद्र कुमार ने घर में तख्त पर कुर्सी लगाकर रस्सी से छत की कुंडी से फंदा लगा लिया और लटक कर जान दी है। उसने खुदकुशी से पहले कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया था। घटना के वक्त उसकी पत्नी मायके गई थी। गोविंद के 3 व 6 वर्ष के दो पुत्र हैं। पति के फांसी पर लटकने की सूचना पर पत्नी मायके से गांव पहुंची। पति का शव देखकर उसका रो–रो कर बुरा हाल था। गोविंद कर्नाटक में काम करता था। दो माह पूर्व घर आया था। चर्चा है कि वह गृह कलह से परेशान था।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी
मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0 598/2017

वंश गोपाल
बनाम
किशोरी देवी आदि

5/1 राज उपाध्याय पुत्र स्व0 अभय नावालिग संरक्षिका इन्द्रावती देवी माता खुद विधवा अभय निवासी पूरे आसरे तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–03–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 15 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

निगरानी सं0 732

अदालत– श्रीमान डी0डी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

हरी प्रसाद आदि
बनाम
गीता देवी आदि

गीता देवी पुत्री राम प्रसाद तिवारी पत्नी रामकोमल शुक्ल साकिन नरायनपुर तिवारी तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 15–03–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 15 महीना 03 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 05 माह 03 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

निगरानी सं0 24/2010

कम्प्यूटरीकृत वाद सं0
C 20101700006

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

हरीराम
बनाम
घनश्याम त्रिपाठी आदि

1. घनश्याम त्रिपाठी पुत्र माता बदल 2. लालजी पुत्र रामकुमार 3. नूर मोहम्मद पुत्र नसीब अली 4/1 राजेश कुमार 4/2 अशोक कुमार 4/3 राकेश कुमार पुत्रगण झिनकान साकिनान मौजा बहादुरपुर तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 5/1 आलोक कुमार5/2 आशुतोष सिंह पुत्रगण राजेन्द्र सिंह 4/3 श्रीमती उर्मिला सिंह पत्नी राजेन्द्र सिंह 6. नरेन्द्र सिंह पुत्र विजय पाल सिंह साकिनान मौजा भैसहटी तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 7. भूमि प्रबन्धक समिति द्वारा अध्यक्ष ग्राम पंचायत बहादुरपुर तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 8. सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 11–03–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 11 महीना 03 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

भाजपा ने प्रत्याशी घोषित कर अन्य दलों पर बनाया दबाव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में भारतीय जनता पार्टी ने फ्रंट फुट पर आकर लोकसभा चुनाव की तैयारी कर ली है। अपना प्रत्याशी घोषित कर कार्यकर्ताओं का सुशासन व केन्द्र व प्रदेश की योजनाओं के साथ जनता के बीच में जाने का आह्वान किया है। एक प्रकार से भाजपा ने रणभेरी बजा दी है। इसी के साथ दूसरे राजनीतिक दलों पर उम्मीदवार के नाम की घोषणा करने का दबाव भी बना दिया है। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। अप्रैल–मई माह में चुनाव प्रस्तावित है। अब ऐसे में कभी भी चुनावी अधिसूचना जारी हो सकती है। भाजपा ने अपने सीटिंग सांसद प्रवीन निषाद के नाम की औपचारिक घोषणा कर दी है। इसके पूर्व ही सांसद ने अपना केन्द्रीय कार्यालय स्थापित कर दिया था। अब भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपने उम्मीदवार के साथ जनता के बीच में जाना शुरू कर दिया है। भाजपाइयों का चुनावी तेवर देखते हुए सपा–बसपा और कांग्रेस पर भी दबाव बढ़ गया है। सपा और कांग्रेस में गठजोड़ होने की वजह से अभी यह तय नहीं हो पाया है कि खलीलाबाद संसदीय सीट कांग्रेस के खाते में रहेगी या फिर सपा अपना उम्मीदवार उतारेगी। पिछले लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का उम्मीदवार मैदान में नहीं था। इस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार भालचंद्र यादव मैदान में थे। उन्हें 127488 मत मिले थे और वह तीसरे स्थान पर रहे। भालचंद्र यादव के साकेतवासी होने के बाद कोई दूसरा ही चेहरा चुनाव मैदान में आएगा।

नाम संशोधन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रूवी वर्मा पुत्री श्री हरिश्चन्द्र वर्मा, ग्राम– जगन्नाथपुर पोस्ट–लालगंज जनपद बस्ती की निवासिनी हूं। मेरे हाईस्कूल के अंक पत्र में मेरा एवं मेरे माता, पिता के नाम में गलती होने के वजह से संशोधन करवाया गया। मेरे नाम में Km. RUBI के स्थान पर Km. RUBY एवं पिता HARI CHANDRA VERM के स्थान पर HARISH CHANDRA VERMA माता ISRAWATI DEVY के स्थान पर ISRAWATI करवाया गया है। अब मुझे Km. RUBI पुत्री HARISH CHANDRA VERMA एवं माता ISRAWATI के नाम से जाना व पहचाना जाय।

वाहन नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राप्त सूचना के अनुसार थाना पुरानी बस्ती पर दिनांक **10.3.2024** को मा0न्यायालय के आदेश से 27 वाहनों की नीलामी करायी जायेगी । जिसमें 04 पहिया 02, दो पहिया वाहन 25 है। सर्व सम्बधित को सूचित किया जाता है कि उक्त नीलामी की तिथि पर थाना पुरानी बस्ती में प्रतिभाग कर नीलामी में हिस्सा लें। उच्च बोलीदाता के पक्ष में नियमानुसार नीलामी स्वीकृत की जायेगी।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com